R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 137
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 24 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 सीआरपीएफ में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती ...
5 जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन चार परियोजनाओं ...
7 अनुष्का ने विराट कोहली को खिलाए दिल्ली ...

पीएम मोदी के 'विजन 2047 पर संवाद' पर मुख्यमंत्री धामी का एक्शन 'विकसित उत्तराखंड' का मांगा रोडमैप

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सिविल सेवा संस्थान में आयोजित चिंतन शिविर और 'विजन 2047 पर संवाद' में राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित किया। दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप, इस अभ्यास के माध्यम से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक ठोस, व्यावहारिक और समयबद्ध रणनीति तैयार की जाएगी।

धामी ने कहा कि उत्तराखंड के समग्र विकास से संबंधित सभी प्रमुख क्षेत्रों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि राज्य के भविष्य के लिए एक स्पष्ट, व्यावहारिक और समयबद्ध रोडमैप निर्धारित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी साकार हो सकता है जब देश का प्रत्येक राज्य समान गति से विकास करे। इसके लिए उत्तराखंड को अपने संसाधनों, क्षमताओं और अनूठी खूबियों के अनुरूप एक स्पष्ट और दीर्घकालिक विकास पथ निर्धारित करना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का 'विकसित भारत' का दृष्टिकोण किसी एक सरकार, एक कार्यकाल या एक योजना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत को आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, रणनीतिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का एक व्यापक और दीर्घकालिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

केरल में पीएम मोदी का एलडीएफ-यूडीएफ पर सीधा प्रहार, बोले- राज्य को भ्रष्टाचार के चक्र में फंसाया

कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत की सराहना करते हुए कहा कि यह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) द्वारा दशकों से की गई उपेक्षा का अंत और विकास एवं सुशासन के एक नए युग की शुरुआत है। पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए दोनों मोर्चों की आलोचना भी की। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में एक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने विभिन्न तरीकों से केरल को भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और तुष्टीकरण की राजनीति के चक्र में धकेल दिया है। भले ही वे अलग-अलग झंडे और चिन्हों का इस्तेमाल करते हों, लेकिन उनकी मूल राजनीतिक रणनीति और एजेंडा लगभग एक जैसे हैंः व्यापक भ्रष्टाचार, जवाबदेही का अभाव और विभाजनकारी सांप्रदायिकता को बढ़ावा देना। दोनों दल भली-भांति जानते हैं कि उन्हें हर पांच साल में सत्ता में आने का मौका मिलता है, फिर भी मूल मुद्दे अनसुलझे ही रहते हैं।'

मोदी ने आगे कहा कि दशकों से, एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने तिरुवनंतपुरम की उपेक्षा की है, जिससे शहर बुनियादी सुविधाओं

और अवसंरचना से वंचित रहा है। वामपंथी और कांग्रेस लगातार हमारे लोगों की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहे हैं। हालांकि, हमारी भाजपा टीम ने पहले ही एक विकसित तिरुवनंतपुरम की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। इस शहर के लोगों से मैं कहता हूंः विश्वास रखें - वह बदलाव जो लंबे समय से प्रतीक्षित था, आखिरकार आने वाला है।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनावों में जीत का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यह जीत सुशासन की जीत है। यह जीत एक विकसित केरल के निर्माण के संकल्प की जीत है। यह जीत एलडीएफ और यूडीएफ के भ्रष्टाचार से केरल को मुक्त करने की प्रतिबद्धता की जीत है। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में भाजपा की शुरुआत और गुजरात में उसके शुरुआती सफर के बीच समानताएं बताईं। उन्होंने कहा कि यहाँ उपस्थित वामपंथी समूह शायद मुझे पसंद न करें। फिर भी, मुझे तथ्य प्रस्तुत करने दीजिए। 1987 से पहले, गुजरात में भाजपा एक हाशिए की पार्टी थी। 1987 में, भाजपा ने पहली बार अहमदाबाद नगर निगम पर नियंत्रण हासिल किया–ठीक उसी तरह जैसे पार्टी ने हाल ही में तिरुवनंतपुरम में जीत हासिल की है। तब से, गुजरात की जनता ने हमें सेवा करने के अवसर दिए हैं, और हम दशकों से ऐसा करते आ रहे हैं। हमारी यात्रा गुजरात के एक शहर से शुरू हुई, और इसी तरह, केरल में भी हमारी शुरुआत एक शहर से हुई है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तिरुवनंतपुरम अब शेष देश के लिए एक आदर्श शहर के रूप में काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस शहर के लोगों से मैं कहता हूँ, विश्वास रखें। तिरुवनंतपुरम पूरे देश के लिए एक आदर्श शहर बनेगा। मैं तिरुवनंतपुरम को भारत के सर्वश्रेष्ठ शहरों में से एक बनाने के लिए अपना पूरा समर्थन देता हूँ। प्रधानमंत्री ने आगामी चुनावों से पहले केरल के व्यापक राजनीतिक परिदृश्य पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि केरल के भविष्य पर विचार करते समय, राजनीतिक परिदृश्य दो प्रमुख पक्षों में विभाजित हैंः एलडीएफ और यूडीएफ। वर्षों से, दोनों समूहों ने बारी-बारी से राज्य में शासन किया है, जिससे केरल की वर्तमान चुनौतियों में योगदान हुआ है।

रील की सनक ने छीनी 2 युवकों की जिंदगी, वीडियो बनाने के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से मौत

पटना। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में आज यानी शुक्रवार को एक हृदयविदारक हादसे ने झकझोर कर रख दिया। सोशल मीडिया पर रील बनाने की सनक में दो युवकों ने अपनी जान गंवा दी। रेलवे ट्रैक के बेहद करीब खड़े होकर वीडियो शूट करना उन्हें इतना भारी पड़ा कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन मुजफ्फरपुर से नरकटियागंज की ओर जा रही थी। इसी दौरान दो युवक रेलवे ट्रैक के किनारे खड़े होकर रील शूट कर रहे थे। इसी बीच दूसरे ट्रैक पर उल्टी दिशा से एक ट्रेन नरकटियागंज से मुजफ्फरपुर की ओर आती नजर आई। दो ट्रेनों को आमने-सामने आते देख युवक घबरा गए। अफरा-तफरी में वे संतुलन नहीं बना सके और अमृत भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से अपनी जान गंवा बैठे।

ट्रेन की टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि परिजन शवों को अपने साथ ले गए। इस संबंध में साठी थाना स्टेशन अधीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी जीआरपी बेतिया को दे दी गई है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

तुर्कमान गेट हिंसा मामले में आरोपी को मिली जमानत उच्च न्यायालय ने रद्द की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामले में आरोपी को दी गई जमानत रद्द कर दी। उच्च न्यायालय ने मामले को पुनर्विचार के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया है। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान ने जमानत आदेश को रद्द कर दिया, जिसे दिल्ली पुलिस ने चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है जिसमें अस्पष्ट और अनुचित आदेश द्वारा जमानत दी गई थी। इसमें पुनर्विचार की आवश्यकता है। 20 जनवरी को तीस हजारी अदालत ने आरोपी मोहम्मद उबेदुल्ला को नियमित जमानत दे दी, यह देखते हुए कि अभियोजन पक्ष को आरोपी की हिरासत की आवश्यकता नहीं है। उसे 8 जनवरी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) जोगिंदर प्रकाश नाहर ने मोहम्मद उबेदुल्ला को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी। अदालत ने कहा कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, आरोपी जमानत का हकदार है। तदनुसार, आवेदक/आरोपी मोहम्मद उबेदुल्लाह को 25, 000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के एक ज़मानतदार के साथ, माननीय जेएमएफसी/लिंक जेएमएफसी/ड्यूटी जेएमएफसी की संतुष्टि के अनुसार, निम्नलिखित शर्तों के अधीन ज़मानत दी जाती है। यह

आदेश एएसजे नगर ने 20 जनवरी को दिया।

अदालत ने निर्देश दिया कि आरोपी पीड़ित/शिकायतकर्ता के घर के 50 मीटर के दायरे में प्रवेश नहीं करेगा। अन्य शर्तें भी लगाई गई हैं। आरोपी के वकील ए एफ फैजी ने बताया कि उनका निवास स्थान घटना स्थल से मुश्किल से 50 मीटर दूर है और उन्होंने इस मामले में कोई अपराध नहीं किया है। यह भी दलील दी गई कि अभियोजन पक्ष ने यह दावा करते हुए तस्वीर पेश की है कि उसमें दिख रहा व्यक्ति आरोपी है। आरोपी की ओर से यह दलील दी गई कि तस्वीर में वह अपने घर के ठीक पास और बाहर दिख रहा है। इसलिए, आरोपी का अपने घर के पास होना स्वाभाविक है। अतिरिक्त लोक अभियोजक (एपीपी) अतुल श्रीवास्तव और एपीपी ज्ञान चंद्र सोनी ने जमानत याचिका का इस आधार पर विरोध किया कि हत्या के प्रयास (धारा 109 बीएनएस) के मामले में भी जमानत याचिका मजिस्ट्रेट के समक्ष दायर की जानी आवश्यक है।

जहरीली गैस ने छीन ली जिंदगी! बाथरूम में नहाने गई छात्रा को चीखने तक का नहीं मिला मौका, दम घुटने से मौत

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बिजनौर जिले के मंडावली थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां बाथरूम में नहाने गई 12वीं कक्षा की छात्रा की गीजर से निकली जहरीली गैस के कारण दम घुटने से मौत हो गई। हादसा इतना अचानक था कि छात्रा को मदद के लिए आवाज तक लगाने का मौका नहीं मिला। दरअसल, मंडावली क्षेत्र के भागूवाला गांव निवासी शाकिर की 17 वर्षीय बेटी शुभाना इंटरमीडिएट की छात्रा थी। बुधवार दोपहर स्कूल से लौटने के बाद वह करीब साढ़े तीन बजे स्नान करने बाथरूम में गई थी। बाथरूम में गैस से चलने वाला गीजर लगा हुआ था। आशंका है कि बंद बाथरूम में गैस फैल गई, जिससे शुभाना बेहोश होकर गिर पड़ी। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों को चिंता हुई। आवाज देने पर भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो दरवाजा तोड़ा गया। अंदर का दृश्य देख परिजनों के होश उड़ गए। शुभाना अचेत अवस्था में पड़ी थी। आनन-फानन में उसे नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटी की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं, शुभाना के कॉलेज में गुरुवार को शोक सभा आयोजित की गई।

हर भारतीय को स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि हर भारतीय को देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए। राधाकृष्णन ने बोस के निडर नेतृत्व, अदम्य साहस और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन 'पराक्रम' के सच्चे सार का प्रतीक है, जो भावी पीढ़ियों को साहस, बलिदान एवं राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने की प्रेरणा देता आया है।

उपराष्ट्रपति शुक्रवार को ओडिशा की अपनी पहली यात्रा पर सुबह भुवनेश्वर पहुंचे और कटक में बोस की जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में हिस्सा लिया। उड़िया बाजार में आयोजित कार्यक्रम में दिखाए गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो संदेश का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2021 में बोस की जयंती को 'पराक्रम दिवस' घोषित करके उन्हें उचित सम्मान दिया। राधाकृष्णन ने कहा, ''विचार में मतभेद हो सकते हैं, आजादी के लिए लड़ाई के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन हर भारतीय को महान बलिदानों को मान्यता देनी चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए।''

उपराष्ट्रपति ने याद दिलाया कि 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप कर दिया था। उन्होंने इसे भारत के महान सपूत बोस को सम्मानित करने वाला कदम बताया। राधाकृष्णन ने कहा, ''मोदी की निर्णायक कार्रवाई और राष्ट्र की सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता 'पराक्रम'

की भावना को व्यक्त करती है, जो साहस और दृढ़ संकल्प की भावना है।''

उन्होंने कहा कि बोस की ओर से 'फॉरवर्ड ब्लॉक' का गठन महात्मा गांधी के खिलाफ नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक शासन से लड़ने के लिए एक अलग दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता था। राधाकृष्णन ने कहा, ''जब वे (बोस) कटक पहुंचे, तो हजारों लोग आए। उस समय महात्मा गांधी को हर कोई जानता था और वे एक निर्विवाद नेता थे। उस निर्विवाद नेता पर केवल एक व्यक्ति ने सवाल उठाए और वह थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस। इससे पता चलता है कि वह कितने महान नेता थे।''

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'पराक्रम' केवल नेताजी की स्मृति नहीं है, बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए साहसपूर्वक कार्य करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शासन के खिलाफ बोस का संघर्ष आज भी भारतीयों में देशभक्ति की भावना को जागृत करता है। राधाकृष्णन ने कहा, ''मेरे हृदय में देशभक्ति की पहली चिंगारी सुभाष चंद्र बोस के जीवन इतिहास को पढ़ने के बाद ही पैदा हुई। नेताजी वहां आज भी मौजूद हैं, जहां साहस भय पर विजय पाता है और जहां कर्तव्य स्वार्थ से ऊपर उठता है।''

बाद में उपराष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राधाकृष्णन ने नागरिकों से नेताजी के मजबूत, आत्मनिर्भर और शक्तिशाली राष्ट्र के दृष्टिकोण से प्रेरणा लेते हुए सामूहिक रूप से 'विकसित भारत 2047' की दिशा में काम करने का संकल्प लेने का आग्रह किया।'' इससे पहले, उपराष्ट्रपति ने कटक में बोस के जन्मस्थान पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति और मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी मौजूद थे। राधाकृष्णन ने कटक में एक डाक टिकट संग्रह दीर्घा और जिला संस्कृति भवन का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कटक में पराक्रम दिवस समारोह के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी मायाधर मल्लिक और विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) बीएस सिंह देव को भी सम्मानित किया।

बसंत पंचमी और पराक्रम दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया

डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में मां सरस्वती वंदना के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। डॉ. भीमराव अंबेडकर इंटरमीडिएट कॉलेज, विहामिदपुर (कड़ा कौशाम्बी) में वसंत पंचमी और पराक्रम दिवस (नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती) के अवसर पर मां सरस्वती पूजन एवं जन्मदिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अमन यादव सहित शिक्षकों द्वारा माता सरस्वती की वंदना की गई और कविताएं प्रस्तुत की गईं। प्रधानाचार्य अमन यादव ने भारत माता के महान सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चरणों में नमन करते हुए कृतज्ञता ज्ञापित की। समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए, वहीं नन्हे-मुन्ने बच्चों ने कविताओं के माध्यम से सबका मन मोह लिया। इन शानदार प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक एवं समाजसेवी रमेश चन्द्र सोनकर, प्रधानाचार्य अमन यादव सहित समस्त शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

विधिक साक्षरता शिविर में पॉक्सो और पॉश एक्ट पर हुई चर्चा

शोषण के विरुद्ध अधिकार समता और सामाजिक न्याय की करते हैं रक्षा' - डॉ. नरेन्द्र दिवाकर

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय कौशांबी के तत्वावधान में 22 जनवरी, 2026 को बेला देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सेंवढ़ा, चायल कौशाम्बी में एक विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि शिविर में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों का व्यापक प्रचार-प्रसार, नशा मुक्त एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, शोषण के विरुद्ध अधिकार, पॉश एक्ट और बच्चों के अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

डॉ. नरेन्द्र दिवाकर ने शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 और 24) और बाल अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अधिकार समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करके समता, समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांत की रक्षा करता है। उन्होंने अनैतिक व्यापार, बेगार, बंधुआ मजदूरी और बालश्रम के उन्मूलन पर ज़ोर दिया।

परा विधिक स्वयं सेवक ममता दिवाकर ने पॉक्सो एक्ट (यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012) और पॉश एक्ट (यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013) के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना और पेंशन योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

शिविर में उपस्थित विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत एवं बाल विवाह मुक्त भारत बनाने की शपथ भी दिलवाई गई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका दीपा सक्सेना ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक अंजनी कुमार यादव ने दिया।

बसंत पंचमी पर हुआ मूर्ति पूजा का भव्य आयोजन

ज्ञान की देवी के पूजन से महका 'सरस्वती वाटिका'

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर, शुक्रवार को नगर के एक गेस्ट हाउस 'सरस्वती वाटिका' में ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती की मूर्ति पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों, विद्यार्थियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।

ज्ञात हो कि वाटिका परिसर को इस अवसर के लिए विशेष रूप से सजाया गया था। सुबह से ही श्रद्धालु पीले वस्त्र धारण कर पूजा में शामिल होने के लिए पहुंचने लगे थे। पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई, जिसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को बसंत पंचमी की शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान बच्चों ने मां सरस्वती को पुष्प अर्पित किए और शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की। पूजा के पश्चात प्रसाद वितरण भी किया गया।

हाईकोर्ट में क्लर्की दिलाने का झांसा जालसाज ने 8.50 लाख हड़पे

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। हाईकोर्ट में क्लर्क की नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने आरोप लगाया है कि नौकरी का झांसा देकर उससे मोटी रकम ली गई। नौकरी मिली और न ही रुपये वापस किए गए। पीड़ित ने शुक्रवार को थाने जाकर घटना की तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। फतेहपुर जनपद के बैंगवा निवासी रविन्द्र कुमार पुत्र राम प्रताप ने बताया कि करीब नौ वर्ष पूर्व संदीपन घाट थाने के पन्नोई गांव का एक जालसाज ने हाईकोर्ट में क्लर्क की नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाकर उससे 8.50 लाख रुपये लिए थे।

रुपये लेते समय आरोपी की पत्नी और पुत्र भी मौजूद थे। पीड़ित का कहना है कि रुपये लेने के बाद न तो उसे नौकरी दिलाई गई और न ही रकम वापस की गई। कई बार तकादा करने पर आरोपी टालमटोल करता रहा और बाद में फोन उठाना भी बंद कर दिया। जब पीड़ित आरोपी के घर रुपये मांगने पहुंचा तो वहां मौजूद पत्नी व पुत्र ने रुपये देने से इनकार करते हुए जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। पीड़ित ने बताया कि इस मामले में उसने कई बार उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। पीड़ित ने शुक्रवार को थाने में मामले की शिकायत कर आरोपी जालसाज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। इस सम्बन्ध में एसओ शशिकांत मिश्रा का कहना है कि मामले की तहरीर मिली है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रास्ता रोकने और जान से मारने की दी धमकी

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाने के बलकरनपुर गांव निवासी विजय कुमार ने बताया कि उसका बड़ा भाई आए दिन रास्ते में जानवर बांधकर आवागमन बाधित करता है। विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट पर आमादा हो जाता है। साथ ही झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजवाने की धमकी भी दे रहा है। पीड़ित ने बताया कि इस विवाद को लेकर 3 जनवरी 2024 को गांव के पूर्व प्रधान व संभ्रांत लोगों के बीच समझौता कराने का प्रयास भी किया गया था लेकिन, इसके बावजूद आरोपी का व्यवहार नहीं बदला। पीड़ित ने शुक्रवार को थाने जाकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

भव्य आयोजन की तैयारी : उत्तर प्रदेश दिवस पर मूंग से बने 'मुगौरा' का होगा शुभारंभ

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद कौशांबी में 24 जनवरी, 2026 को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर डायट मैदान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष राज्य ललित कला अकादमी, डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा होंगे।

ज्ञात हो कि मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे आमजन को योजनाओं की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी। साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना के अंतर्गत मूंग से बने उत्पाद, जिसे स्थानीय रूप से 'मुगौरा' कहा जाता है, का औपचारिक शुभारंभ और इसके स्टॉल लगाए जाना होगा।

हवाई हमले की स्थिति में आमजन को जागरूक व बचाव के लिए किया ब्लैक आउट अभ्यास एवं मॉकड्रिल

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद में युद्धकालीन आपात परिस्थितियों के दृष्टिगत नागरिकों, घरों एवं प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लाइन में हवाई हमले के दौरान किए जाने वाले ब्लैक आउट अभ्यास एवं मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य हवाई हमले की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय एवं जन-सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता को परखना था।

ज्ञात हो कि मॉकड्रिल के दौरान निर्धारित समय पर पूर्ण ब्लैक आउट किया गया, जिसमें अनावश्यक प्रकाश स्रोतों को बंद रखने, खिड़की-दरवाजों पर परदे/कवर लगाने, वाहनों की लाइटें बंद रखने तथा सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने जैसे निर्देशों का पालन कराया गया। हवाई हमले के पूर्व सायरन/संकेत प्रणाली के माध्यम से चेतावनी प्रसारित की गई। हवाई हमले होते ही तत्काल बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गया। अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पाया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

अभ्यास में पुलिस, सिविल डिफेंस, होमगार्ड, अग्निशमन एवं अन्य संबंधित विभागों ने सहभागिता करते हुए आपसी समन्वय के साथ अपनी-अपनी भूमिकाओं का निर्वहन किया। प्राथमिक उपचार, आपात निकासी, संचार व्यवस्था तथा नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली का भी परीक्षण किया गया।

अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आकाश सिंह ने कहा कि ऐसे अभ्यासों से जन-जागरूकता, अनुशासन एवं आपात स्थितियों में त्वरित निर्णय क्षमता विकसित होती है।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

विद्यालय में चोरी का खुलासा, तीन चोर चढ़े पुलिस के हत्थे, वाटर कूलर बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के कठेला समयमाता पुलिस ने क्षेत्र में हो रही नकबजनी व चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धोबहा में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी गया वाटर कूलर बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेज दिया गया है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में जनपदभर में चलाए जा रहे चोरी, नकबजनी के विरुद्ध अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, दिनांक 18, 19 जनवरी 2026 की रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा विद्यालय का ताला तोड़कर कक्ष से वाटर कूलर व अन्य सामग्री चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में थाना कठेला समयमाता पर मु0अ0सं0 04, 2026 धारा 331(4), 305(ई) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के निर्देशन में, थानाध्यक्ष अभय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 23 जनवरी 2026 को ग्राम गाजीपुर मोड़ से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का एक अदद वाटर कूलर मशीन बरामद किया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है।गिरफ्तार अभियुक्त मो. इसराइल पुत्र मो. हनीफ, निवासी धोबहा टोला पीपरी इबारत अली उर्फ पड्डू पुत्र हसन अली, निवासी कठेला शर्की टोला बरमपुर राजा पासवान उर्फ पेप्सी पुत्र बब्लू, निवासी धोबहा टोला पीपरी (थाना कठेला समयमाता, जनपद सिद्धार्थनगर) बरामदगी एक अदद वाटर कूलर मशीन अभियुक्त का आपराधिक इतिहास गिरफ्तार अभियुक्त इबारत अली उर्फ पड्डू के विरुद्ध पूर्व में चोरी व आर्म्स एक्ट से संबंधित चार मुकदमे विभिन्न धाराओं में थाना ढेबरुआ में पंजीकृत हैं, जिससे उसका आपराधिक इतिहास उजागर हुआ है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम उ0नि0 आनन्द कुमार हे0का0 विनित शुक्ला, का0 गगनदीप कुमार, विशाल पासवान, शुभम सिंह का योगदान रहा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा और अपराधियों में भय का माहौल बनेगा।

महाराजा सुहेलदेव राजभर की जयंती धूमधाम से मनाई गई, वीरता व सामाजिक एकता का लिया गया संकल्प

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में महाराजा सुहेलदेव राजभर की 1027वीं जयंती शुक्रवार को बांसी तहसील क्षेत्र के गोनहाताल पश्चिम चौराहे पर हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं और समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर महान योद्धा को नमन किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायती राज विभाग मंत्री के पीआरओ गंगाराम राजभर रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर महाराजा सुहेलदेव के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि गंगाराम राजभर ने अपने संबोधन में कहा कि महाराजा सुहेलदेव राजभर भारतीय इतिहास के ऐसे महान योद्धा थे, जिन्होंने विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध संघर्ष कर देश और समाज की रक्षा की। उनका जीवन साहस, स्वाभिमान और सामाजिक एकता का प्रतीक है। आज के युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।इस अवसर पर प्रदेश महासचिव एवं जिला पंचायत सदस्य वार्ड 27 के प्रत्याशी रामचंद्र निषाद ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव की जयंती केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और आत्मसम्मान का संदेश देती है।

जिलाध्यक्ष दुर्योधन राजभर ने युवाओं से सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संगठित होकर आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी महाराजा सुहेलदेव के शौर्य, बलिदान और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने की अपील की। इस मौके पर शिवनाथ पासवान (जिला महासचिव), गंगाराम राजभर (पीआरओ मंत्री), दुर्योधन राजभर (जिलाध्यक्ष), सुभाष, रामचंद्र निषाद (प्रदेश महासचिव), गुलाबचंद कनौजिया (जिला अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा), संजय राजभर (ब्लॉक अध्यक्ष खुनियांव), निरंजन निषाद (जिलाध्यक्ष युवा मंच), राम लखन निषाद, ओम प्रवेश राजभर, रामसेवक, सुनील, बगेदू, अंकुर गुप्ता, राम जी, जितेंद्र यादव सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।कार्यक्रम का समापन राष्ट्र और समाज की एकता व समरसता बनाए रखने के संकल्प के साथ किया गया। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा और ग्रामीणों ने इसे ऐतिहासिक आयोजन बताया।

आवश्यक सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि कवीन्द्र सिंह पुत्र स्व0 शारदा प्रसाद, निवासी ग्राम तेलियन का पुरवा, पोस्ट लोकीपुर, बलकरनपुर, थाना चरवा, तहसील चायल, जनपद कौशाम्बी भारतीय सेना में कार्यरत हूँ। मेरा सेवा नम्बर 14837616एच है। मेरी माता का वास्तविक नाम सूरज कली है, जो कि मेरे आधार कार्ड एवं पैनकार्ड में सही रूप में अंकित है। त्रुटिवश मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी माता का नाम गीता देवी अंकित हो गया है, जो कि त्रुटिपूर्ण एवं गलत है। मेरे सर्विस रिकार्ड में भी अन्य अभिलेखों की भांति मेरी माता का नाम गीता देवी के स्थान पर सूरज कली दर्ज किया जाये। मेरी माता को वास्तविक नाम सूरज कली के नाम से जाना व पहचाना जाये।

कवीन्द्र सिंह
पुत्र स्व0 शारदा प्रसाद
निवासी : ग्राम तेलियन का पुरवा, पोस्ट लोकीपुर
बलकरनपुर, थाना चरवा, तहसील चायल, जनपद कौशाम्बी

जन चौपाल लगाकर बहू बेटी सम्मेलन व साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान' के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व विश्वजीत शौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हरिकृष्ण उपाध्याय उसका बाजार के निर्देशन में व साइबर थाना प्रभारी के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के ग्राम परसपुर थाना उसका बाजार में जनचौपाल लगाकर मिशन शक्ति एवं एण्टी रोमियों किया गया व यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई व उनकी समस्याओं को सुना गया, उचित परामर्श के साथ काउन्सलिंग किया गया।

बहू-बेटी सम्मेलन लगाकर जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज-5.0 के विषय में महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में उप निरीक्षक जय प्रकाश पांडे, म0का0 कालिंदी यादव, का0 संतोष यादव, का0 शेषनाथ, का0 अनुराग की टीम ने जागरूक किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत गांव में जन चौपाल लगाकर महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में, रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल निर्देशन मे तथा अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना खेसरहा मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम चिउटहा में जन चौपाल का आयोजन किया गया तथा कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराया गया तथा महिलाए व बलिकाए आदि लोग उपस्थित थे, जिन्हे महिला सम्बन्धित नये कानून व महिला सम्बन्धित अपराध, साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम के तहत उपस्थित उपरोक्त महिला सशक्तिकरण सम्बन्धित बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, महिला से सम्बन्धित कानून व नए कानून के बारे मे जानकारी दी गई तथा वहां उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये कल्याणकारी योजनाओं के बारे में उप निरीक्षक चंद्रिका प्रसाद मौर्य, उप निरीक्षक जियाउल्लाह , हे0का0 सत्येंद्र सिंह, म0का0 संगीता ने जागरूक किया।

जिलाधिकारी ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर ज़िलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा टीम समर्पण के नेतृत्व में सनई चौराहा स्थित नेता जी सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।इस अवसर पर ज़िलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा महर्षि दयानंद पूर्व माध्यमिक विद्यालय की दो प्रतिभावान छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप साइकिल देकर सम्मानित किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या-05/2026 दिनांक-20.01.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	ई.म.डी. ₹	निविदा खुलने की तिथि
19258219	टेक्सपैक पैड ऑफ़ साइड बेयरर ऑफ़ वीएलसी वैगन	1000 नग	₹ 1,26,260/-	24.02.2026
19258360	सप्लाई ऑफ़ कम्पलीट कासनुब 22 एक्सल बोगी	20 नग	₹ 1,83,710/-	18.02.2026

नोट- 1. उपरोक्त सभी ई -प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप मे बिड स्वीकार नहीं की जायेगी । वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I. T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें । 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म / लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 163/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सीआरपीएफ में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती का पूजन, विशाल भंडारे का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र के संयुक्त चिकित्सालय परिसर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मां सरस्वती का पूरे विधि विधान के साथ पंडित अंजनी कुमार द्वारा पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर आरती की गई, जिसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में सीआरपीएफ के अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिजनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम के आयोजक डीआईजी मेडिकल डॉ विनय अग्रवाल ने ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व ज्ञान, विद्या और संस्कारों का प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में आयोजित भंडारे में उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में, डीआईजी ग्रुप सेंटर धीरज कुमार, डीआईजी रेंज, सुनीत कुमार राय डॉ. विपुल कुमार, डॉ. अतुल, डॉ गौरी डॉ. सी.एल. चाहर, श्रीमती संतोष यादव पत्नी डॉक्टर बी सी यादव द्वितीय कमान अधिकारी अमित कुमार सक्सेना, सहायक कमांडेंट दिनेश चंद्र मिश्र, निरीक्षक प्रहलाद कोक राजेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कार्मिक जवान महिलाएं मौजूद रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ के लोअर हाल में को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों स्वामी विवेकानंद एवं रानी लक्ष्मीबाई द्वारा बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती का संयुक्त आयोजन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं वंदना से शुरु हुआ। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं भक्ति गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके उपरांत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी के मुख्य वक्ता शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ के प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह ने नेताजी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्रप्रेम पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि नेताजी केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के गहरे अध्येता भी थे। उन्होंने मां सरस्वती को ज्ञान, विवेक और प्रेरणा की देवी मानते हुए शिक्षा को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना। और ने कहा कि युवाओं को शिक्षित, अनुशासित और संस्कारित बनाकर ही भारत को सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बसंत पंचमी और नेताजी की जयंती का संयोग हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्रनिर्माण में ज्ञान और बल दोनों की समान भूमिका है।कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राम किशोर सिंह, प्रो. मुकेश कुमार, राजू प्रजापति, इंद्रदेव वर्मा, डॉ. तुषार रंजन, जयराम, शशि शेखर, शिष्टपाल, राजीव मिश्रा, अश्वनी, राजीव वर्मा, राजकुमार सोनकर सहित छात्राओं श्वेता मिश्रा, अनुष्का दीक्षित, तृप्ति गुप्ता, निकिता कांदू आदि की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन रानी लक्ष्मीबाई इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने किया।अंत में आयोजकों ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बना, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, ज्ञान और सेवा भावना के समन्वय का संदेश भी प्रसारित करने में सफल रहा। इसी तरह ब्लाक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ क्षेत्र के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा में भी बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

ओवरब्रिज के निर्माण कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन द्वारा बहराइच- खलीलाबाद रेल लाइन निर्माण कार्य के अंतर्गत ग्राम छितौना में ओवरब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ओवर ब्रिज निर्माण कार्य में पायलिंग का कार्य प्रगति में पाया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्य में तेजी लाने के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश न्यायिक एवं बांसी उप जिलाधिकारी निखिल चक्रवर्ती नायब तसीलदार महबूब आलम बांसी व कार्यदायी संस्था के अधिकारी उपस्थित थे।

योगी ने बढ़ाया सनातन का कद, फिजूल की बातें करें बंद : अधोक्षजानंद देवतीर्थ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के सीएम योगी पर दिए गए बयान की पुरी पीठ के स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने निंदा की है।

उन्होंने कहा कि यह धर्म का मेला है। यहां पर अपने लक्ष्य लेकर आना गलत है। मुख्यमंत्री जो कि एक संत हैं और बहु प्रतिष्ठित गोरखपीठ के पीठाधीश्वर हैं, जिन्होंने बचपन से उस व्यवस्था को न सिर्फ देखा, बल्कि उसी व्यवस्था में पले-बढ़े हैं, उन पर ऐसी टिप्पणी अशोभनीय है। जिसे दोहराना भी पाप है। स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने अपने पट्टाभिषेक के 31 वर्ष पूर्ण होने पर अपने शिविर में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा कि मौनी अमावस्या किसी भी कुम्भ या माघ मेले का सबसे बड़ा स्नान पर्व है।

यहां पर व्यवस्थाओं को सुचारू कर पाना निश्चित ही पुलिस और प्रशासन के लिए चुनौती रहती है। ऐसे में कुछ व्यवस्थाएं बनाई जाती हैं, जिससे आम नागरिकों को सुरक्षित स्नान कराया जा सके। क्योंकि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती धर्माचार्य हैं, उन्हें पहले इस बात का पालन करना चाहिए था, क्योंकि उनके आचरण को सबसे पहले लोग स्वीकार करेंगे। उसका पालन करेंगे। सीएम योगी के खिलाफ ऐसी बात करने वालों को यहां नहीं आना चाहिए।

कांग्रेसियों ने सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

प्रयागराज। शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को जयंती पर नमन किया। शहर अध्यक्ष फुज़ैल हाशमी के नेतृत्व में सदस्यों ने शुक्रवार सुबह सुभाष चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आजादी के प्रति उनके जुनून और जज्बे को सलाम किया। कांग्रेसजनों ने नेताजी की जयंती पर 23 जनवरी को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने तथा भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की। इस दौरान पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय, कोऑर्डिनेटर हरिकेश त्रिपाठी, परवेज़ सिद्दीकी, मानस शुक्ला, मनोज पासी, अफ़रोज़ अहमद, प्रतिमा त्रिपाठी, राम मनोरथ सरोज, शाहनवाज कुरैशी, राकेश पटेल, कमल अली, कामेश्वर सोनकर, रिज़वाना बेगम, मो. नसीम, तबरेज अहमद, फैसल सिद्दीकी, अजय श्रीवास्तव, मो. जावेद, मो. शमशाद मौजूद रहे।

शंकराचार्य निश्चलानंद सहित सभी प्रमुख संतों ने किया स्नान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। वसंत पंचमी के अवसर पर पुरी पीठाधीश्वर स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने संगम स्नान किया। इसी क्रम में जगद्गुरु स्वामी संतोषदास 'सतुआ बाबा', बाघम्बरी पीठाधीश्वर महंत बलवीर गिरि, स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ, दंडी संन्यासी स्वामी ब्रह्माश्रम, स्वामी महेशाश्रम, सनातनी किन्नर अखाड़े की आचार्य कौशल्यानंद गिरि और आवाहन अखाड़े के संत, किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कल्याणीनंद गिरि आदि ने स्नान किया और स्नान के बाद सभी शिविरों में भंडारा हुआ।

संगम नगरी में सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत एएसजी आई हॉस्पिटल द्वारा चलाया जा रहा अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में अब सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत एएसजी आई हॉस्पिटल द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। वही एएसजी आई हॉस्पिटल द्वारा प्रयागराज में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया ड्राइवर दृष्टि अभियान कमर्शियल चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी अभियान अवधि 11 जनवरी 2026 से 11 फ़रवरी 2026 चलाया जा रहा है।

एएसजी आई हॉस्पिटल द्वारा ड्राइवर दृष्टि अभियान के अंतर्गत देशभर के कमर्शियल चालकों के लिए एक विशेष नेत्र स्वास्थ्य अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ऑटो, टैक्सी, बस एवं ट्रक चालकों की आँखों की नियमित जांच कर सुरक्षित ड्राइविंग और बेहतर दृष्टि सुनिश्चित करना है।

ऑफर विवरण :

सभी वाणिज्यिक चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच

कमर्शियल चालकों के लिए निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी

(केवल पहले 385 योग्य मरीजों के लिए) कुल 385 सर्जरी एएसजी आई हॉस्पिटल के ऑर्गेनिक सेंटर्स में की जाएंगी

निःशुल्क सर्जरी के अंतर्गत सुविधाएं :

बेसिक मोतियाबिंद सर्जरी (स्टैंडर्ड लेंस के साथ)

शुल्क बायोमेट्री जांच

सर्जरी के बाद आवश्यक दवाइयाँ

सर्जरी पश्चात सुरक्षा चश्मा

पात्रता मानदंड :

यह योजना निजी ड्राइवरों के लिए मान्य नहीं है।

महत्वपूर्ण अनुपालन बिंदु :

आवश्यक दस्तावेज़ :

कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस की कॉपी

आधार कार्ड

प्रिस्क्रिप्शन फॉर्म

केंद्र अपग्रेडेड लेंस विकल्प को निर्धारित छूट के साथ प्रस्तावित कर सकते हैं

सेवा कैसे प्राप्त करें :

चालक एएसजी के 180+ केंद्रों में अपॉइंटमेंट लेकर या सीधे वॉक-इन कर सकते हैं

यह योजना केवल ऑटो, टैक्सी, बस एवं ट्रक चालकों के लिए लागू है

एएसजी आई हॉस्पिटल्स का यह अभियान देश के वाणिज्यिक चालकों की दृष्टि सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे सड़क सुरक्षा और चालकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

आज की प्रेस कांफ्रेंस में एएसजी आई हॉस्पिटल की टीम में डॉ फ़रनाज़ कौसर, डॉ प्रशान्त कुमार एवं डॉ मधुमिता प्रसाद जी ने अपना वक्तव्य साझा किया

सनातन के प्रचार के लिए बोधगया से प्रयागराज साइकिल से पहुंचा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। साहू कल्याण समिति प्रयागराज के वरिष्ठ संरक्षक ओम प्रकाश साहू के नेतृत्व में लेप्रोसी मिशन चौराहा पर भारत भ्रमण पर निकले नौ वर्षीय यशराज साहू का भव्य स्वागत किया गया। समिति के वरिष्ठ संरक्षक ने बताया कि यशराज बोधगया का निवासी है। सनातन धर्म का प्रचार करते हुए वह देश में सुख-शांति की कामना के लिए हर तीर्थ स्थल पर माथा टेक रहा है। जियो और जीने दो का संदेश भी दे रहा है। प्रत्येक दिन 100 किमी की दूरी तय कर रहा यह बालक अब तक अयोध्या, मथुरा, काशी होते हुए प्रयागराज पहुंचकर संगम में स्नान किया। प्रयागराज के कोतवाल बजरंगबली के श्री चरणों में माथा टेककर उसने विश्व में सुख-शांति की प्रार्थना की। शुक्रवार प्रातः नौ बजे मध्य प्रदेश स्थित उज्जैन महाकाल के दर्शन हेतु रवाना हुआ। संरक्षक ओम प्रकाश साहू, अध्यक्ष राम सागर गुप्ता, उपाध्यक्ष श्याम देव गुप्ता, सुधीर कुमार गुप्ता, महामंत्री रविंद्र कुमार गुप्ता, प्रकाशन मंत्री डॉ. धीरज कुमार साहू, कोषाध्यक्ष अजीत साहू, शिवसेना महानगर अध्यक्ष मिलन साहू, मंत्री अमित साहू, अशोक साहू, सूबेदार साहू, सूरज कुमार आदि ने यशराज का भव्य स्वागत किया।

वसंत पंचमी स्नान पर्व पर चप्पे-चप्पे पर रही चौकसी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला के चतुर्थ स्नान पर्व वसंत पंचमी पर शुक्रवार को श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। संगम तट व अन्य स्नान घाटों से लेकर समूचे मेला में उच्च अधिकारी खुद मोर्चा संभाले रहे। चप्पे-चप्पे पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। भीड़ नियंत्रण, सुगम आवागमन और सुरक्षित स्नान को लेकर सभी प्वाइंट पर पुलिस बल की तैनाती रही। मेला क्षेत्र में नागरिक पुलिस, यातायात पुलिस, महिला पुलिसकर्मी, घुड़सवार पुलिस, पीएसी, अग्निशमन दल के साथ एटीएस के कमांडो भी तैनात रहे। पूरे मेला क्षेत्र की एआई तकनीकी वाले कैमरे व ड्रोन से निगरानी की जाती रही।

श्रद्धालुओं को लगातार लाउडस्पीकर से सुरक्षित स्नान और निर्धारित मार्ग से ही आवागमन की अपील की गई। संगम नोज समेत सभी प्रमुख स्नान घाटों पर जल पुलिस, पीएसी, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम के सदस्य मोटरबोट के साथ लगातार भ्रमण कर स्नानार्थियों को डीप बैरिकेडिंग के अंदर ही डुबकी लगाने की अपील करते दिखे। पुलिसकर्मी निर्धारित गाइडलाइन का सख्ती से पालन करते दिखे। पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजयपाल शर्मा व विजय ढुल, एसपी माघ मेला नीरज पांडेय, नोडल अधिकारी विजय आनंद समेत अन्य अधिकारी मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं की निगरानी करने के साथ ही पुलिस टीम को जरूरी दिशा-निर्देश भी देते रहे।

शहर में भी जगह-जगह रहा रूट डायवर्जन शहर में भी सुरक्षा और यातायात नियंत्रण के कड़े इंतजाम किए गए। श्रद्धालुओं के सुरक्षित व सुगम पैदल आवागमन के लिए प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह बैरिकेडिंग कर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई। अलोपीबाग चुंगी, गीता निकेतन तिराहा, बालसन चौराहा, मेडिकल चौराहा, सोहबतियाबाग, दारागंज, नवाब यूसुफ रोड, खुसरोबाग, अंदावा, लेप्रोसी चौराहा और फाफामऊ समेत कई प्रमुख मार्गों पर भी चारपहिया व सवारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगी रही। प्रयागराज जंक्शन के साथ ही रामबाग, सूबेदारगंज, नैनी, छिवकी और झूंसी रेलवे स्टेशनों की ओर जाने वाले मुख्य मार्गों पर सुबह से ही बैरिकेड लगाकर रूट डायवर्जन किया गया।

मेला में किसी का बैग, किसी का मोबाइल चोरी

प्रयागराज। माघ मेला में एकतरफ रोजाना करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं, तो वहीं भीड़ का लाभ उठाकर चोर-उचक्के भी सक्रिय हो गए हैं। वसंत पंचमी स्नान पर्व पर स्नान घाटों के आसपास कई लोगों का बैग, मोबाइल व अन्य सामान चोरी की वारदात हुई। वहीं, सिविल डिफेंस की टीम ने संगम नोज के पास से दो महिला चोर को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। उनके पास से चोरी की हुई मोबाइल, पर्स व अन्य सामान मिले। वसंत पंचमी पर बक्सर बिहार में कृषि विभाग में कार्यरत ऋषभ राज का संगम तट पर स्नान करते समय बैग चोरी हो गया।

बैग में कपड़े, मोबाइल व पांच हजार रुपये थे। सिविल डिफेंस के चीफ वार्डेन अनिल कुमार व डिप्टी कंट्रोलर ने ऋषभ राज को कपड़े के साथ ही घर वापसी के लिए तीन सौ रुपये का सहयोग दिया। इसके अलावा, कई स्नानार्थियों को सामान व कपड़े चोरी होने पर कंबल, साड़ी, गमछा आदि वितरित किया गया।

अखंड रामायण पाठ आज, भंडारा आज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फूलपुर के रामनगर बेरुई गांव में डीपी फार्मेसी ऑफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर के शुभारंभ के मौके पर अखंड रामायण पाठ एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। प्रबंधक डॉक्टर देवेंद्र पांडे ने बताया कि अस्पतालक्ष और ट्रामा सेंटर के उद्घाटन अवसर पर 24 जनवरी को अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है तथा 25 जनवरी को वृहद भंडारे का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम में अयोध्या के परमहंस आचार्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। डॉक्टर पांडे ने सभी भक्तजनों से उक्त कार्यक्रम में शामिल होने की बात दोहराई है।

आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत की बैठक सम्पन्न

गोरखपुर। आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत की एक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें संगठन में अधिकाधिक सदस्यों को जोड़ने एवं इसके प्रकल्पों को प्रभावी तरीक़े से जन सामान्य तक पहुँचाने पर विस्तृत चर्चा हुई । कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डॉ डी पी सिंह ने की । इस अवसर पर आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ जी एस तोमर ने अपने उद्बोधन में पंच परिवर्तन (सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भाव तथा नागरिक कर्तव्य) को विकसित भारत की आधारशिला बताया । उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हमें भारतीय ज्ञान परम्परा को पुनः जन जन तक पहुँचाना है । नवोन्मेष के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि आज हमारी समृद्ध संस्कृति विश्व के आकर्षण का केंद्र बनती जा रही है । इसे और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए हमें इसके पीछे छिपी वैज्ञानिकता को वैश्विक मानवता के समक्ष उनकी अपनी भाषा में रखना होगा । अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ डी पी सिंह ने संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डाला । डॉ शशिकांत सिंह ने आगामी 20-21 फ़रवरी को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में होने जा रहे अन्तरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में आरोग्य भारती के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया । इस अवसर पर डॉ प्रकाश चन्द्र त्रिपाठी, डॉ अंजनी कुमार सिंह, डॉ जयन्त नाथ, डॉ लालमणि चौरसिया, डॉ कमलेश पाण्डेय, डॉ विनम्र शर्मा, डॉ डी के सिंह, डॉ रमाकांत द्विवेदी, डॉ लक्ष्मी अग्निहोत्री सहित लगभग तेतीस सदस्यों ने प्रतिभाग किया । कार्यक्रम का प्रारंभ धन्वंतरि स्तवन से हुआ एवं समापन शांति मंत्र के साथ सम्पन्न हुआ ।

जीवन को सार्थक बनाने का करें प्रयास : मुनि ऋषभानंद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कौशाम्बी के रास्ते शुक्रवार को पांच जैन मुनि पदयात्रा करते हुए प्रयागराज पहुंचे। मुनियों के जैन मंदिर जीरो रोड पहुंचने पर अनुयायियों ने पुष्प वर्षा से स्वागत और पूजन किया। मुनि ऋषभानंद ने अनुयायियों को संदेश देते हुए बताया कि 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी तीर्थराज प्रयाग पधारे और पहले तीर्थंकर ऋषभदेव ने वट वृक्ष के नीचे तप व ज्ञान प्राप्त किया। यहां आना हमारा सौभाग्य है। उन्होंने बताया कि मनुष्य जीवन बार-बार नहीं मिलता है, इसलिए हमें अपने जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। मंदिर में दीप जैन व निर्मल जैन ने भगवान का अभिषेक व विश्व कल्याण की भावना से शांतिधारा की गई।

गुरु वसुनंदी के दीक्षा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर उनके चित्र का अनावरण अनुयायियों ने किया। इस दौरान मुनि का 48 दीपकों से भक्तांबर विधान किया गया।

पेयजल पाइप लाइन का महापौर ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। दरभंगा कॉलोनी में जलकल विभाग की ओर से बिछाई जा रही नई पेयजल पाइप लाइन का शुक्रवार को महापौर गणेश केसरवानी ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि लोगों को निर्बाध और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति कराना विभाग की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के प्रत्येक हिस्सों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। इस मौके पर रूबी सक्सेना, आशीष चंद्र, कुलदीप गोस्वामी समेत कई लोग मौजूद रहे।

सच्चा बाबा आश्रम में बसंत पंचमी पर्व पर बदला गया ध्वज

हजारों भक्तों ने चखा प्रसाद, लिया आशीर्वाद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नैनी के अरैल स्थित सच्चा बाबा आश्रम में वर्षों पुरानी परंपरा का निर्माण करते हुए आश्रम में लगे ध्वज को बसंत पंचमी के दिन वैदिक मंत्र 4 के बीच बदल गया इस मौके पर आयोजित भंडारे में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और यहां गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। जानकारी के अनुसार अप्रैल के सेल्फी प्वाइंट के पास स्थित सच्चा बाबा आश्रम में वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार बसंत पंचमी के दिन ध्वज का बदलाव किया जाता है। इसी परंपरा का निर्माण करते हुए आज यहां सैकड़ो साधु संतों की अगुवाई में ध्वज को बदल गया इस मौके पर वृहद भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और गुरुजनों से आशीर्वाद भी लिया। सच्चा बाबा आश्रम से जुड़े अखिलेश शुक्ला ने बताया कि यहां हर वर्ष परंपरा के अनुसार ध्वज बदला जाता है उसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें हजार भक्त प्रसाद ग्रहण करते हैं। यहां इस मौके पर सच्चा बाबा आश्रम से जुड़े संत बड़ी संख्या में हिस्सा लिया करते हैं।

सम्पादकीय

दुश्मन नहीं, रास्ता बना जवानों का काल? जम्मू-कश्मीर के डोडा हादसे ने उठाए गंभीर सवाल

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए हादसे में जिस तरह दस जवानों की जान चली गई, वह दुर्गम इलाके में तैनात सुरक्षा बलों के सामने मौजूद बहुस्तरीय जोखिम का ही उदाहरण है। गौरतलब है कि गुरुवार को डोडा में सेना के एक बुलेटप्रूफ वाहन में सवार फौजी लगभग नौ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित एक चौकी की ओर जा रहे थे। इस बीच खन्नी टाप के पास वाहन सड़क से फिसल कर दो सौ फुट गहरी खाई में जा गिरा। इतनी ऊंचाई से गिरने के बाद वाहन और उसमें सवार लोगों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। दस जवानों की मौत के अलावा ग्यारह अन्य जवान बुरी तरह घायल भी हुए।

जाहिर है, आतंकवाद का सामना करने के क्रम में जानलेवा खतरों और हमलों का सामना करने के अलावा इस घटना से वहां ड्यूटी के लिए तैनात सुरक्षा बलों के सामने एक अतिरिक्त चुनौती का पता चलता है। यह इलाका अपनी बेहद मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों के लिए जाना जाता रहा है और वहां सुरक्षा बलों के जवानों के सामने हमेशा ही जोखिम की स्थिति बनी रहती है। ऊंचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच आतंकवादियों का सामना करना पहले ही एक बड़ी चुनौती रही है।

उसमें जब सुरक्षा कारणों से ही सड़कों पर सफर के क्रम में हुए हादसे में जवानों की मौत हो जाती है, तो यह वाहन चलाने में हुई मामूली चूक के खतरनाक नतीजों के साथ-साथ दुर्गम इलाकों में मौजूद रास्तों के बेहद असुरक्षित होने का भी सबूत है। सवाल है कि देश की सुरक्षा के लिहाज से अतिसंवेदनशील इलाकों में सड़कों को इस हालत में कैसे छोड़ा गया है कि किसी वाहन के खाई में गिरने के बाद उसमें सवार लोगों के जिंदा बचने की गुंजाइश बेहद कम होती है।

अफसोस की बात यह है कि उस समूचे क्षेत्र में सुरक्षा बलों के सामने मौजूद अलग-अलग जोखिम के समांतर बचाव के मोर्चे पर शायद पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। वरना हादसे और जोखिम के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील जगहों पर सड़कों के किनारे मजबूत सुरक्षा घेरा या पैराफिट लगाने भर से पहाड़ी इलाकों में होने वाले हादसों में जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी और ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में वाहनों के दुर्घटना का शिकार होने और जवानों की मौत या उनके घायल होने की घटनाएं अक्सर सामने आती रही हैं। वाहन पर से चालक का नियंत्रण खोना एक कारण हो सकता है, लेकिन उस क्षेत्र में संकरी और घुमावदार सड़कों के तीखे मोड़ पर फिसलन का खतरा बना रहता है।

ताजा घटना में जिस खन्नी टाप पर सेना का वाहन हादसे का शिकार हुआ, उस तरह की जगहों पर ऊंचाई और कंकड़-मिट्टी की वजह से फिसलन ज्यादा घातक हो जाती है। खासतौर पर दिसंबर-जनवरी के बीच ज्यादा ठंड और बर्फबारी की वजह से सड़क पर फिसलन आम रहती है।

ऐसे में उन सड़कों से अगर भारी सैन्य वाहन गुजरते हैं, तो ऊंचाई वाली जगहों पर कई बार वाहन पर नियंत्रण मुश्किल काम होता है और उसमें चूक की आशंका बनी रहती है। हादसों पर लगाम के लिए इलाके में तैनात जवानों को खराब मौसम और परिस्थिति के मुताबिक बेहतर प्रशिक्षण तथा वाहनों के रखरखाव के पहलू पर ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए।

सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि सड़कों के बुनियादी ढांचे पर ठोस काम हो और उसे पूरी तरह सुरक्षित बनाने के इंतजाम किए जाएं, ताकि देश की सुरक्षा और आतंकवाद का सामना करने के लिए तैनात सुरक्षा बलों के जवानों के सामने हादसों में जान गंवाने की नौबत न आए।

हर घंटे, हर मिनट, हर सेकंड का संघर्ष, फास्ट-कामर्स- सुविधा की रफ्तार या समाज की धीमी मौत?

तेजी से फैलते उपभोक्तावादी तंत्र के बीच 'फास्ट-कामर्स' यानी तुरंत सामान हासिल करना या उसकी आपूर्ति करने का तंत्र एक ऐसी आक्रामक व्यवस्था बनकर उभरा है, जो सुविधा के नाम पर समाज की संवेदनात्मक परतों, बाजार की स्वाभाविक लय और अर्थव्यवस्था की स्थायी संरचनाओं को भीतर ही भीतर क्षीण कर रहा है। मनुष्य की आवश्यकताओं को तात्कालिकता में बांधकर यह प्रारूप न केवल हमारी जीवन-दृष्टि को उथला बना रहा है, बल्कि पूंजी के एकाधिकारवादी विस्तार को सामाजिक अनिवार्यता के रूप में आरोपित कर रहा है।

तत्काल आपूर्ति के इस कारोबार का उभार किसी साधारण तकनीकी प्रगति का संकेत भर नहीं है। यह आधुनिक पूंजीवादी संरचना की वह शाखा है, जो मानव जीवन को उत्पादन-उपभोग की निरंतर दौड़ में धकेलकर उसकी संवेदनशीलता, सामुदायिक आत्मा और उसके आर्थिक विवेक को क्रमशः नष्ट कर रहा है। सुविधा के चकाचौंध भरे आवरण के भीतर छिपी यह व्यवस्था उपभोक्ता को उस बिंदु तक ले जाती है, जहां तात्कालिक संतुष्टि को जीवन का मूल मूल्य मान लिया जाता है और किसी वस्तु की प्राप्ति में अगर कुछ क्षणों का भी विलंब हो जाए, तो व्यक्ति उसे व्यक्तिगत असुविधा नहीं, बल्कि जीवन में अस्वीकार्य बाधा समझ बैठता है।

यही वह मनोवैज्ञानिक विकृति है, जिसे पूंजीवाद अपने महत्त्वाकांक्षी विस्तार के लिए पोषित करता है। एक ऐसा उपभोक्ता, जो संयम, प्रतीक्षा, विवेक और स्थानीय संबंधों की गरिमा को भूलकर लगातार, अनवरत, आवेगपूर्ण खरीदारी के चक्र में फंसा रहे।

यह तेज-रफ्तार प्रणाली स्थानीय बाजारों के लिए एक विषैली चुनौती बन चुकी है। पुरानी किराना संरचना, छोटे व्यापारों की आत्मनिर्भर प्रणाली और पड़ोस की जीवंत आर्थिक संस्कृति इस व्यवस्थित अतिक्रमण के आगे क्षीण होती जा रही है। तीव्रगामी वाणिज्य की विशाल कंपनियां अल्गोरिद्म पर आधारित मूल्य-निर्धारण और पूंजी के असीमित संसाधनों के बल पर ऐसे दाम प्रस्तुत करती हैं, जिनसे छोटे व्यापारी प्रतिस्पर्धा कर ही नहीं सकते।

नतीजतन, स्थानीय अर्थव्यवस्था भयावह संकुचन की ओर बढ़ती है, आय के स्रोत केंद्रित होते जाते हैं और समाज का आर्थिक संतुलन टूटने लगता है। उपभोक्ता को सस्ती सुविधाओं का भ्रम मिलता है। मगर वास्तविकता यह है कि वह अपनी ही सामुदायिक आर्थिक सुरक्षा को घाटे के घाट उतार रहा होता है।

श्रम के क्षेत्र में भी यह प्रारूप अत्यंत अमानवीय परिस्थितियां निर्मित करता है। मिनटों में आपूर्ति की आकांक्षा सामान पहुंचाने वाले उन कर्मियों पर असाधारण दबाव डालती है, जिनके पास सुरक्षा, स्थायित्व, बीमा या सम्मानजनक श्रम-नीतियों का न्यूनतम आधार भी नहीं होता।

पूंजीवादी संरचना उनकी थकान, जोखिम, समय और जीवन को एक ऐसे अदृश्य लागत-तंत्र में बदल देती है, जिसे उपभोक्ता सुविधा के नाम पर सहज ही स्वीकार कर लेता है। यह वही जटिल पूंजीवादी विडंबना है, जहां लाभ का संचय ऊपर केंद्रित होता जाता है और श्रम का बोझ नीचे तक धकेल दिया जाता है।

तत्काल आपूर्ति का चलन मानव समाज की उन स्वाभाविक प्रक्रियाओं को नष्ट करता है, जिनके माध्यम से नस्लें, समुदाय और पड़ोस अपने भीतर सामाजिक आदान-प्रदान, संवाद और सह-अस्तित्व की संस्कृति विकसित करते थे। अब मानव संपर्क का स्थान स्क्रीन ले चुकी है, बाजारों की विविधता की जगह विभिन्न एप की एकरूपता ने ले ली है और सामुदायिक सहयोग की जगह व्यक्ति की अकेली उपभोग-यात्रा ने कब्जा कर लिया है। यह परिवर्तन सभ्यता को गति तो देता है, पर गहराई से खाली भी करता है।

कारोबार के इस स्वरूप का एक गहन दुष्प्रभाव पर्यावरणीय ह्रास के रूप में सामने आता है। तीव्र आपूर्ति की इस व्यवस्था में साजो-सामान की आपूर्ति के सूक्ष्म तंत्र का जो असंगत विस्तार हुआ है, वह सड़क-जाल, वाहन-उपयोग और ईंधन-उपभोग के रूप में एक ऐसी अदृश्य पर्यावरणीय आपदा रच रहा है, जिसकी कीमत न वर्तमान उपभोक्ता समझ रहा है और न ही पूंजी-चालित कंपनियां स्वीकार करने को तैयार हैं।

हर घंटे, हर मिनट, हर सेकंड को लक्ष्य बनाकर चलने वाली डिलीवरी-प्रणाली का अर्थ है अनगिनत छोटे पैकेट, असीमित प्लास्टिक, अनवरत वाहनों की आवाजाही और कार्बन-उत्सर्जन का बढ़ता दबाव। यह तरीका जलवायु-संवेदनशील देशों, विशेषकर वैश्विक दक्षिण की अर्थव्यवस्थाओं पर अतिरिक्त बोझ डालता है।

पूंजीवाद का स्वभाव ही यही है कि वह लागत को प्रकृति पर थोपकर लाभ को अपने केंद्र में समेट ले। तीव्र आपूर्ति इसी प्रवृत्ति का वर्तमान और अत्यधिक उग्र रूप है। उपभोक्ता को जो त्वरित सुविधा मिलती है, उसकी वास्तविक पर्यावरणीय कीमत पृथ्वी आने वाली पीढ़ियों से वसूलेगी। यह सच जितना भयावह है, उतना ही अनदेखा भी। अगर समाज इस प्रणाली की पर्यावरण-विरोधी संरचना को न पहचाने, तो वह सुविधा के मोह में अपने पारिस्थितिक भविष्य को दांव पर लगा देगा।

तीव्र आपूर्ति एक ऐसा आधुनिक मिथक बन चुका है, जो सुविधा को प्रगति और तात्कालिकता को आधुनिकता का पर्याय बताता है। मगर इस चमकीली सतह के नीचे एक गहरा संरचनात्मक संकट छिपा है- संकुचित होता स्थानीय बाजार, शोषित होता श्रम, व्यवस्थित रूप से नियंत्रित होता उपभोक्ता और टूटता हुआ सामाजिक ताना-बाना।

अगर समाज इस स्वरूप को बिना विवेक स्वीकार करता रहा, तो वह धीरे-धीरे ऐसी आर्थिक निर्भरता में फंस जाएगा, जहां विकल्प, स्वतंत्रता और समुदाय- ये तीनों ही मूल्य पूंजीवादी मशीनरी के आगे अप्रासंगिक हो जाएंगे।

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक ब्लैकमेलिंग का वैश्विक फलाफल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीतिक रणनीति, विशेष रूप से टैरिफ़ और क्षेत्रीय दावों के माध्यम से, उनके मित्र देश रह रह कर परेशान हो उठते हैं। जबकि अमेरिका के शत्रु देश उनको आंख दिखाकर अपनी मनवाने से भी नहीं चूकते, खासकर चीन, रूस और ईरान जैसे दबंग देश। इससे जहां वैश्विक कूटनीति चौराहे पर खड़ी प्रतीत होती है, वहीं उनकी ढुलमुल नीति व्यापार को गहराई से प्रभावित कर रही है। यही वजह है कि यूरोपीय देश, जापान, भारत आदि अंदर से बेचैन हैं। सच कहूं तो राष्ट्रपति ट्रंफ का यह अव्यवहारिक व मतलबपरस्त रुख आर्कटिक सुरक्षा, नाटो एकता और बहुपक्षीय व्यापार नियमों को खुली चुनौती दे रहा है।

सबसे पहले इसी कसौटी पर यूरोप व नाटो देशों से जुड़े ग्रीनलैंड विवाद को समझते हैं, जहां ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की मांग क्या रख दी, उनके इस अटपटी सोच से उनके मित्र भी बौखलाहट दिखाने लगे। जिससे परेशान अमेरिका ने सहयोगी से विरोधी बन रहे आठ यूरोपीय देशों (डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी आदि) पर 10इ टैरिफ़ लगाने की धमकी दी है, जो जून 2026 तक 25इ हो सकता है। यही वजह है कि यूरोपीय नेता जैसे स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन और नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने सहयोग की बजाय संवाद पर जोर देते हुए इसे स्पष्ट 'ब्लैकमेल' करार दिया। वहीं, नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने ट्रंप से बातचीत की पुष्टि की, लेकिन आर्कटिक क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई।

जहां तक चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध की बात को इस ब्लैकमेलिंग वाली कसौटी पर कसें तो प्रतीत होता है कि साल 2025 में ट्रंप द्वारा चीन पर 104इ टैरिफ़ लगाने को चीन (बीजिंग) ने खुलकर 'ब्लैकमेलिंग' बताया और अंत तक लड़ने का वादा किया। चीनी पीएम ली कियांग ने इसे संरक्षणवाद का उदाहरण माना, और प्रतिक्रिया स्वरूप यूरोपीय संघ के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही। इससे वैश्विक शेयर बाजारों में मंदी की आशंका बढ़ी, क्योंकि अमेरिका ने 70६ देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ़ लागू किए।

वहीं ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति का वैश्विक प्रभाव भी साफ दिख रहा है, क्योंकि उनकी इस रणनीति से नाटो जैसे गठबंधनों में दरार डाल पड़ने लगी है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता के संकेत भी मिलने लगे हैं, क्योंकि 1 फरवरी 2026 की डेडलाइन नजदीक है। यूरोप ने आपात बैठक बुलाई, जबकि भारत जैसे देश भी 26इ से 50 प्रतिशत टैरिफ़ का सामना कर रहे हैं। इससे इनकी बेचैनी समझी जा सकती है। कुल मिलाकर, ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति सिर्फ अमेरिका-प्रथम नीति को प्राथमिकता देती है, लेकिन इससे बहुपक्षीय संस्थाओं के कमजोर होते चले जाने की आशंका भी निराधार नहीं है।

देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां नाटो पर दबाव बढ़ा रही हैं, खासकर ग्रीनलैंड विवाद और रक्षा खर्च मांग के माध्यम से। इसके वैश्विक दुष्प्रभाव या असर को समझते हुए ही अमेरिका ने पश्चिमी गोलार्द्ध में खुद को मजबूत करने के लिए बेनेजुएला सम्प्रभुता तहस नहस कांड कांड जैसा दुस्साहस दिखाया। इससे रूस, चीन, भारत, ईरान की फटी पड़ी पैबंद भी सामने आ गई। यह सबकुछ इसलिए किया गया ताकि 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण को और अधिक मजबूत किया जा सके। अमेरिका की यह खुली पहल उसके नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन की एकता को दो टूक चुनौती दे रही है, लेकिन कुछ नाटो सदस्यों ने जिस तरह से अपना रक्षा बजट बढ़ाया है, उससे ट्रंफ का मनोबल बढ़ा है।

जहां तक ग्रीनलैंड सम्बन्धी तनाव की बात है तो ट्रंप की ग्रीनलैंड अधिग्रहण जैसी अव्यवहारिक मांग का विरोध होने के बाद अमेरिका ने डेनमार्क, स्वीडन, जर्मनी जैसे नाटो सदस्यों पर भी 10इ टैरिफ़ लगाए, जो 25इ तक बढ़ सकते हैं। जबकि यूरोपीय देशों ने आर्कटिक में सैन्य तैनाती बढ़ाई, जबकि ट्रंप ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बताया। इस पर नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने ट्रंफ सेवबातचीत की, लेकिन विशेषज्ञ इसे गठबंधन के 'सबसे काले घंटे' की संभावना मानते हैं।

जहां तक नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने सम्बन्धी अमेरिकी दबाव की बात है तो ट्रंप ने सदस्य देशों से जीडीपी का 5इ रक्षा पर खर्च करने की मांग की, जो पहले 2इ के वेल्स वादे से दुगुने से भी ऊपर है। उनके दावे के अनुसार, इस दबाव से खर्च बढ़ा, लेकिन यूरोप को अमेरिकी सुरक्षा 'ब्लैंक चेक' बंद करने की चेतावनी दी। इससे यूरोपीय नेता नाराज़ हैं, जो नाटो विस्तार (जैसे यूक्रेन) रोकने का संकेत भी देता है।

जहां तक ट्रंफ के ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति के संभावित प्रभाव की बात है तो इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी ये नीतियां नाटो में दरार पैदा कर सकती हैं, और ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को कमजोर करेंगी।

यही वजह है कि अमेरिकी संसद में नाटो से निकासी के विधेयक आए हैं, हालांकि तत्काल विदड्रॉल नहीं हुआ। कुल मिलाकर, लेन-देन वाली कूटनीति गठबंधन की विश्वसनीयता को खतरे में डाल रही है। जबकि अमेरिकी सोच है कि यूरोप की गफलत में फंसकर रूस और एशिया की चकरघिन्नी में फंसकर चीन से खुली दुश्मनी लेने से बेहतर है कि खुद को पश्चिमी गोलार्द्ध यानी उत्तर अमेरिका व दक्षिण अमेरिका के देशों के बीच महफूज रखो और यहां पर यूरोपीय/एशियाई देशों की दाल नहीं गल सके, इस हेतु बेनेजुएला जैसी अप्रत्याशित कार्रवाई करते रहो।

पढ़ाने से ज्यादा सरकारी कामों में उलझा दिए गए हैं शिक्षक क्या अब सबसे सस्ता सरकारी संसाधन बन गए हैं अध्यापक?

एक समय था जब शिक्षक समाज का पथप्रदर्शक माना जाता था। आज वही शिक्षक व्यवस्था की हर कमी को पूरा करने वाला सबसे सुविधाजनक संसाधन बनता जा रहा है। सुरक्षा, निगरानी और प्रशासनिक आवश्यकताओं के नाम पर उसे ऐसे कार्य भी करने पड़ रहे हैं, जिनका असल में शिक्षा से कोई सीधा संबंध नहीं है। शिक्षा व्यवस्था में जिस बदलाव की अपेक्षा थी, कई बार उसके विपरीत भी हो रहा है। निश्चित रूप से इसके दूरगामी परिणाम होंगे।

कुछ समय पहले शीर्ष न्यायालय के आदेश के अनुपालन के संदर्भ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से उच्च शिक्षण संस्थानों को आवारा कुत्तों से सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी करने की खबर आई। इस क्रम में सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालय परिसरों में आवारा कुत्तों की निगरानी तथा उनसे बचाव के लिए शिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपने की भी खबर थी। औपचारिक रूप से यह व्यवस्था सुरक्षा के उद्देश्य से है, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर यह आदेश एक गहरे और असहज प्रश्न को जन्म देता है। क्या शिक्षकों को इस तरह के या अन्य गैर-शिक्षण कार्यों में लगाना शैक्षणिक दायित्वों के अनुरूप है?

शिक्षण कार्य को बेहद जिम्मेदारी का और गरिमापूर्ण कार्य माना जाता है। मगर क्या गैर-शिक्षण कार्य से संबंधित दिशा-निर्देश शिक्षकों की गरिमा के साथ न्याय करते हैं? यह प्रश्न इसलिए और गंभीर हो जाता है, क्योंकि यह कोई पहला अवसर नहीं है। इससे पहले भी शिक्षकों को चुनावी ड्यूटी, जनगणना, पशुगणना, मतदाता सूची का पुनरीक्षण, सत्यापन, सर्वेक्षण, आपदा प्रबंधन, स्वच्छता अभियान, कोविड निगरानी, सामाजिक अभियानों और अन्य अनेक गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगातार लगाया जाता रहा है।

इन परिस्थितियों में यह बहस स्वाभाविक है कि क्या शिक्षक को अब हर प्रशासनिक दायित्व को पूरा करने वाला सुलभ मानव संसाधन मान लिया गया है? सुरक्षा और संवेदनशीलता जैसे मुद्दों की आड़ में अगर शिक्षक को उसके मूल कार्य, यानी पढ़ाने, शोध करने, अकादमिक मार्गदर्शन इत्यादि से निरंतर दूर किया जाएगा, तो इसका दीर्घकालिक प्रभाव केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था और समाज के बौद्धिक भविष्य पर पड़ेगा। यह सवाल अब केवल आदेश की वैधानिकता का नहीं, बल्कि दृष्टिकोण और प्राथमिकता का भी है।

किसी भी राष्ट्र में शिक्षक की गरिमा का क्षरण उस समाज की आत्मबोधहीनता का संकेत होता है। शिक्षक की उपेक्षा किसी एक वर्ग का अपमान नहीं, बल्कि वह उस विचार की उपेक्षा होती है कि ज्ञान, विवेक और प्रश्न पूछने की क्षमता किसी समाज के लिए कितनी आवश्यक है। अगर हम शिक्षक से निरंतर ऐसे कार्य करा रहे हैं जो उसकी पेशागत पहचान को धुंधला करते हैं, तो यह आत्मचिंतन आवश्यक है कि क्या हम अनजाने में शिक्षा को नहीं, बल्कि शिक्षक को ही अप्रासंगिक बना रहे हैं!

आज जिस सहजता के साथ शिक्षकों को आवारा पशुओं की गिनती, निगरानी और नियंत्रण जैसे कार्यों में लगाने की खबरों को लिया जा रहा है, वह किसी साधारण प्रशासनिक निर्णय का परिणाम नहीं है। यह उस मानसिकता का उद्घाटन है, जिसमें शिक्षक की भूमिका को क्रमशः गौण और सुविधाजनक उपयोगितावादी बना दिया गया है। जिन कार्यों के लिए नगर निगम, नगरपालिका परिषद और ग्राम पंचायतों में पृथक कर्मचारी, विभाग और बजट निर्धारित हैं, उन्हीं कार्यों के लिए शिक्षकों को खड़ा कर देना यह संकेत देता है कि व्यवस्था की दृष्टि में शिक्षक का समय, श्रम और बौद्धिक क्षमता उनके लिए कोई मायने नहीं रखती, बल्कि शिक्षक अब सबसे सस्ता विकल्प बन चुके हैं।

जिस शिक्षक से समाज विवेकशील नागरिक तैयार करने की अपेक्षा करता है, उसी को आज यह अप्रत्यक्ष संदेश दिया जा रहा है कि उसका मूल दायित्व पढ़ाना, शोध करना, विचार और प्रश्न गढ़ना अब प्राथमिकता की सूची में नहीं है। कक्षा में विद्यार्थी हैं या नहीं, शिक्षण की गुणवत्ता लगातार क्यों कम होती जा रही है? शोध हो रहा है या नहीं, इससे अधिक महत्त्वपूर्ण यह माना जा रहा है कि जहां प्रशासनिक तंत्र अपने किसी कार्य को करने में असफल हो जाए, वहां उसकी भरपाई के लिए शिक्षक को आसानी से लगा दिया जाए।

यह स्थिति केवल पेशागत गरिमा का हनन नहीं, बल्कि शिक्षा को एक कमतर महत्त्व की गतिविधि मान लेने की प्रवृत्ति को उजागर करती है। विडंबना यह है कि जिस समाज में शिक्षक को कभी गुरु, आचार्य और राष्ट्र निर्माता कहा गया, उसी समाज में उसे ऐसा बहुउद्देशीय सरकारी श्रमिक समझ लिया गया है, जिससे बिना किसी अतिरिक्त प्रशिक्षण और उचित पारितोषिक के कोई भी काम करवाया जा सकता है। चुनावी ड्यूटी हो, सर्वेक्षण, निरीक्षण, पर्यवेक्षण या सत्यापन हो, हर जगह शिक्षकों को आगे कर दिया जाता है।

यह धारणा धीरे-धीरे स्थापित की जा रही है कि शिक्षक ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलताओं को ढोने वाला एक आज्ञाकारी माध्यम है। इस दृष्टिकोण में शिक्षक की पहचान बौद्धिक पूंजी के रूप में नहीं, बल्कि संकट-प्रबंधन के सुलभ संसाधन के रूप में होती जा रही है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इस निरंतर अपमान के बीच शिक्षक समुदाय की चुप्पी स्वयं एक सवाल बन चुकी है।

यह चुप्पी केवल विवशता की नहीं, बल्कि उपेक्षा के साथ समझौता कर लेने की आदत का संकेत भी है। जब शिक्षक अपने सम्मान के सवाल पर मौन साध लेता है, तब समाज और व्यवस्था दोनों यह मान लेते हैं कि यह स्थिति न केवल स्वीकार्य है, बल्कि स्थायी भी है। यहीं से शिक्षा के क्षरण की प्रक्रिया शुरू होने लगती है।

यदि हम विकसित देशों की ओर दृष्टि डालें, तो हमें एक अलग तस्वीर दिखाई देती है। फिनलैंड में शिक्षक बनना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। वहां शिक्षक को गैर-शैक्षणिक सरकारी कार्यों में लगाना लगभग असंभव माना जाता है, क्योंकि वहां पर राज्य यह समझता है कि शिक्षक का समय सीधे राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा है।

इसी प्रकार जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में शिक्षक न केवल आर्थिक रूप से सुरक्षित हैं, बल्कि सामाजिक रूप से भी अत्यंत सम्मानित हैं। वहां शिक्षक से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह व्यवस्था की कमियों की भरपाई करे, बल्कि यह अपेक्षा की जाती है कि वह बच्चों की क्षमता, अनुशासन और नवाचार को आकार दे।

इन देशों की प्रगति किसी चमत्कार का परिणाम नहीं है, बल्कि उस स्पष्ट समझ का परिणाम है जो यह मानती है कि शिक्षक को यदि कक्षा से हटाया गया, तो राष्ट्र दिशा से भटक जाएगा। वहां शिक्षकों से पशुओं की गणना और निगरानी नहीं करवाई जाती, बल्कि संभावनाओं की गिनती करवाई जाती है।

वहीं यह स्वीकार किया गया है कि शिक्षक का अपमान दीर्घकाल में राष्ट्र के लिए एक खतरे का संकेत है। अंततः यह सवाल किसी एक आदेश, किसी फाइल या किसी विभाग तक सीमित नहीं है, यह उस बौद्धिक आत्मा का प्रश्न है जिसे हम राष्ट्र के रूप में गढ़ रहे हैं। जब शिक्षक से उसका मूल धर्म छीन कर उसे व्यवस्था की असफलताओं का मूक वाहक बना दिया जाता है, तब शिक्षा उपेक्षित ही नहीं होती, बल्कि अज्ञान को संस्थागत वैधता मिल जाती है। क्या कोई समाज सचमुच प्रगति की आकांक्षा कर सकता है, जहां शिक्षक कक्षा में नहीं, बल्कि सड़कों पर अन्य कार्य करता हुआ अधिक उपयोगी समझा जाए?

जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन चार परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण सहित समय सीमा में पूर्ण करने के दिये निर्देश

कार्य में तीव्रता लाते हुए इसे शीघ्र पूर्ण कर क्रियाशील करने का डीएम ने दिया निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने शुक्रवार को जनपद भदोही में संचालित चार महत्वपूर्ण निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समय-सीमा का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को सभी परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन 100 बेडेड अन्तः रोगी कक्ष (आईपीडी) भवन एवं 50 बेड क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ये दोनों परियोजनाएं जनपद के स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगी। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में और तेजी लाते हुए इसे शीघ्र पूर्ण कर क्रियाशील करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़ी इस परियोजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि निर्माणाधीन आईपीडी भवन में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त वार्ड, डॉक्टर कक्ष, ऑपरेशन थियेटर, प्रयोगशाला सहित अन्य आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। भवन के पूर्ण होने के पश्चात जनपदवासियों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी, साथ ही अस्पताल पर बढ़ते मरीजों के दबाव में भी कमी आएगी। उन्होंने अधिकारियों को कार्य की सतत निगरानी सुनिश्चित करने तथा गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात जिलाधिकारी ने पुलिस लाइन के बगल स्थित श्री काशीराज संस्कृत महाविद्यालय में निर्माणाधीन शैक्षिक भवन एवं छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां भी

कार्यदायी संस्था को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपस्थित जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) अंशुमान द्वारा महाविद्यालय की अतीत एवं वर्तमान शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि काशी क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान के अंतर्गत जनपद भदोही में संस्कृत की परम्परा एवं मूल्यों को अक्षुण्य बनाए रखने में यह महाविद्यालय एवं इसका नवीन भवन महत्वपूर्ण एवं नैतिक भूमिका निभाएगा।

अंत में जिलाधिकारी ने पिपरीस स्थित निर्माणाधीन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशासनिक भवन, एकेडमिक ब्लॉक, छात्रावास सहित अन्य निर्माणाधीन भवनों का अवलोकन किया। कॉलेज परिसर में आवागमन के रास्ते एवं बाउंड्रीवाल से संबंधित ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सर्वप्रथम ग्रामीणों के लिए वैकल्पिक मार्ग का निर्माण सुनिश्चित किया जाए, जिससे किसी को असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने बताया कि राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के संचालन से शीघ्र ही जनपद भदोही सहित आसपास के जनपदों के युवाओं को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा होगी, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त सभी चारों निर्माणाधीन परियोजनाओं का कार्य उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण एवं प्रगति समीक्षा करने के आदेश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पीडब्लूडी एई सुभाष चंद्र, डीईएसटीओ शशिकांत, जिला सूचना अधिकारी डॉ0 पंकज कुमार, राजकीय निर्माण निगम के अभियंता, सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आईजीआरएस की बैठक कलेक्टेट्ट सभागार में सम्पन्न

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, गलत स्पेशल क्लोज़ पर होगी कार्यवाही-अपर जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी के कुशल निर्देशन में अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व कुंवर वीरेन्द्र मौर्य एवं अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह की अध्यक्षता में आईजीआरएस मुख्यमंत्री संदर्भ, जिलाधिकारी संदर्भ, तहसील दिवस संदर्भ सहित अन्य संदर्भों के सापेक्ष निस्तारित एवं लम्बित शिकायतों/प्रकरणों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। बी श्रेणी की समीक्षा के दौरान तहसीलदार औराई, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भदोही सी श्रेणी के संदर्भ प्रकरण अधिक होने पर कड़ी फटकार लगाई साथ ही आइजीआरएस हेल्पलाइन सबसे ज्यादा असंतुष्ट की फीडबैक सहायक श्रम आयुक्त सब रजिस्टार औराई बाल विकास परियोजना अधिकारी डीघ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डीघ को कड़ा निर्देश दिया कि शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर प्रकरण को निक्षेपित करें, साथ ही तहसील न्यायालय में बेचाराधिन मुकदमों को प्राथमिकता से निस्तारण कराने के साथ-साथ सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन विभागों मे अवमानना के प्रकरण हैं शीघ्र निस्तारण कराए अन्यथा संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी जवाब दे ही तय की जाएगी। जनसंवाद दिवस पर शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर उनकी समस्याओं का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक कराए। उन्होंने कहा कि ऐसे ही पूरे मनोयोग से कार्य करें, जिससे जनपद की रैंक अच्छी बनी रहे। निर्देश दिया कि शिकायतों को अधिकारी कटेगरी वाईज कर सही ढंग व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि अधिकांश शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर शिकायतकर्ता को वार्ता कर संतुष्ट करने के उपरान्त ही आख्या अपलोड की जाए। केवल वे ही शिकायत स्पेशल क्लोज़ की जाए, जो पोर्टल पर उपलब्ध स्पेशल क्लोज़ की श्रेणी में आती हो। गलत फ्लैग लगाकर स्पेशल क्लोज़ करने पर कार्यवाही की जाएगी। प्रायः यह देखा जा रहा है कि जनपद स्तर से एक ही शिकायत को कई बार फीड किया जा रहा है एवं एक ही मोबाईल नंबर से अलग अलग शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। विश्लेषण में यह भी पाया गया है की मोबाईल नंबर शिकायतकर्ता का न होकर किसी कर्मचारी या अन्य व्यक्ति का है। जिस अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध शिकायत है उसी से जांच कदापि न कराई जाए। यह भी समीक्षा कर लें की उनके यहाँ किस क्षेत्र या किस विभाग शिकायत श्रेणी मे सर्वाधिक शिकायतें आ रही हैं और उसका निराकरण कराएं। उदाहरणार्थ कतिपय जनपदों में प्रमाणपत्र बनाने

के संबंध में अधिक शिकायत दर्ज हो रही हैं। पूर्व में दिए गए निर्देश के क्रम में जनपद स्तर से निस्तारण की गुणवत्ता का क्रॉस वेरीफिकेशन करने के उपरान्त ही आख्या अपलोड या स्पेशल क्लोज की कार्यवाही की जाए।

अपर जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निरस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी फरियादियों/शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के प्रति बेहद गम्भीर है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करके रिपोर्ट को पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। अपर जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के डिफाल्टर होने व निस्तारित शिकायतों की खराब गुणवत्ता पाये जाने पर कुछ विभागीय अधिकारियों को इसमें सुधार लाने की कड़ी चेतावनी दिया, कहा कि ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिये कि निस्तारण की गुणवत्ता खराब होने के कारण उच्च स्तर से शिकायतें पुनः वापस आ जाये। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता का पक्ष भी अवश्य सुना जाए और सदंर्भो के निस्तारण के परिणाम से भी शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए। क्योंकि शिकायतकर्ता की संतृष्टि ही संदर्भो का निस्तारण का मूल लक्ष्य है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आईजीआरएस का पैरामीटर बदल गया है असंतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों को सही ढंग से निस्तारण कराए।

भदोही पुलिस ने वापस कराए साइबर ठगी के रुपये

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद की साइबर हेल्प डेस्क ने एक बार फिर त्वरित कार्यवाही करते हुए ठगी का शिकार हुए एक व्यक्ति की गाढ़ी कमाई वापस कराई है। थाना ज्ञानपुर निवासी रंजीत कुमार मिश्रा के खाते से अज्ञात तरीके से 21,500 रुपये पार हो गए थे। पीड़ित ने इसकी शिकायत थाने के साइबर डेस्क पर की थी। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में साइबर टीम ने तत्काल संबंधित बैंक और पेमेंट गेटवे से समन्वय स्थापित किया। टीम की तत्परता से ठगी गई पूरी धनराशि रंजीत के खाते में सफलतापूर्वक वापस आ गई। अपना पैसा वापस पाकर पीड़ित ने भदोही पुलिस और साइबर टीम का आभार व्यक्त किया। एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें ताकि समय रहते कार्यवाही की जा सके।

भदोही में 'पुलिस सतर्क मित्र' चैटबॉट लॉन्च सूचना देने वाले की पहचान रहेगी गुप्त

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी लगाम लगाने के लिए पुलिस विभाग ने एक क्रांतिकारी डिजिटल पहल की शुरुआत की है। शुक्रवार को अपर पुलिस महानिदेशक एडीजी वाराणसी जोन, पीयूष मौर्डिया द्वारा वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'पुलिस सतर्क मित्र' व्हाट्सएप चैटबॉक्स (7839860411) का सफल शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पुलिस लाइन ज्ञानपुर के सीसीटीएनएस कक्ष में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल समेत जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

इस नई पहल की सबसे बड़ी विशेषता सूचना देने वाले की पूर्ण 'गोपनीयता' है। अक्सर नागरिक सुरक्षा की चिंता के कारण अपराध की सूचना देने से कतराते हैं, लेकिन इस चैटबॉट के माध्यम से सूचना देने वाले का मोबाइल नंबर या पहचान पुलिस के पास नहीं आएगी, जिससे सूचनाकर्ता पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। नागरिक इस व्हाट्सएप बॉट नंबर 7839860411 पर गो-तस्करी, अवैध खनन, शराब तस्करी, जबरन धर्म परिवर्तन, अवैध हथियार, नशा, जुआ और पुलिस भ्रष्टाचार जैसी गतिविधियों की जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा, महिला एवं बाल अपराध से संबंधित सीसीटीवी फुटेज या अन्य साक्ष्य भी फोटो, वीडियो और ऑडियो के माध्यम से साझा किए जा सकते हैं। एडीजी वाराणसी जोन ने बताया कि इस चैटबॉट का उद्देश्य पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाना और नागरिकों को बिना किसी भय के पुलिस का सहयोग करने के लिए प्रेरित करना है। आमजन इस नंबर को अपने मोबाइल में 'पुलिस सतर्क मित्र' के नाम से सेव कर सकते हैं या जारी किए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके सीधे सूचना दर्ज करा सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने अपील की है कि जागरूक नागरिक इस तकनीक का उपयोग कर जनपद को अपराध मुक्त बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

सौ सैया अस्पताल व संस्कृत महाविद्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में जिलाधिकारी शैलेष कुमार शुक्रवार को सौ सैया संयुक्त चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में बन रहे आईपीडी वार्ड एवं 50 बेड क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की और संबंधित कार्यदायी संस्था व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, मानकों का पालन और समयबद्ध पूर्णता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा कार्य की

नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना को पूर्ण कर जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने पुलिस लाइन के समीप स्थित श्री काशीराज राजकीय संस्कृत महाविद्यालय का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक एवं भौतिक सुविधाओं की समीक्षा की। कक्षाओं, भवनों, मूलभूत सुविधाओं एवं परिसर की स्थिति का जायजा लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार एवं व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों ही किसी भी समाज के विकास की आधारशिला हैं और शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में इन दोनों क्षेत्रों में निरंतर सुधार किया जा रहा है। निरीक्षण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजनाओं का लाभ आमजन तक शीघ्र और प्रभावी रूप से पहुंचे। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए एसपी ने जाँचा रिहर्सल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आगामी 26 जनवरी को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन ज्ञानपुर में आयोजित होने वाली भव्य परेड की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और भव्य बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने शुक्रवार को परेड ग्राउंड पहुंचकर चल रहे रिहर्सल का बारीकी से निरीक्षण किया।

गणतंत्र दिवस की परेड में एकरूपता और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए जनपदीय पुलिस की विभिन्न टुकड़ियाँ पिछले एक महीने से कड़ा अभ्यास कर रही हैं। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने परेड की भव्यता और जवानों के प्रदर्शन को सराहा। उन्होंने परेड में शामिल प्रतिभागियों और कार्यक्रम आयोजकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय पर्व के इस गौरवशाली आयोजन को अत्यधिक सुसज्जित और त्रुटिहीन बनाया जाए।

रिहर्सल के दौरान पुलिस जवानों द्वारा किए गए शानदार मार्च पास्ट और प्रदर्शन ने आगामी समारोह की भव्यता की झलक पेश की। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

संदीप के अर्धशतक से सेवाश्रम इंटर कॉलेज ने मुरादाबाद को हराया

शशांक इलेवन ने जौनपुर को हराकर किया प्रतियोगिता से बाहर

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां क्षेत्र स्थित महर्षि आज़ाद स्टेडियम, मेढ़ी में तेजधर ब्रह्मबाबा खेल समिति के तत्वावधान में आयोजित महर्षि आज़ाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के छठवें दिन शुक्रवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। दोनों मैचों में दर्शकों को उच्चस्तरीय और संघर्षपूर्ण क्रिकेट देखने को मिला।

दिन का पहला मुकाबला मुरादाबाद और सेवाश्रम इंटर कॉलेज, सुरियावां के बीच खेला गया, जबकि दूसरा मैच शशांक इलेवन मोढ़ एवं जौनपुर की टीमों के बीच हुआ।

पहले मुकाबले में सेवाश्रम इंटर कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुरादाबाद को तीन विकेट से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सेवाश्रम के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए मुरादाबाद की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 171 रन बनाए। मुरादाबाद की ओर से पर्व चौहान ने 37 गेंदों पर 57 रन तथा तरुण पोसवाल ने 49 गेंदों पर 53 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। गेंदबाजी में सेवाश्रम के पवन कुमार ने 4 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट झटके, जबकि सोनू शर्मा को एक सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेवाश्रम इंटर कॉलेज की शुरुआत भले ही धीमी रही, लेकिन संदीप भारतिया ने आक्रामक अंदाज में

बल्लेबाजी करते हुए मात्र 22 गेंदों पर 53 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर मैच का रुख बदल दिया। अंतिम ओवरों में अवनीश मिश्रा (नाबाद 23 रन) एवं सनी पांडे (नाबाद 14 रन) ने संयम और सूझबूझ के साथ खेलते हुए टीम को 19.2 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन तक पहुंचाकर जीत दिला दी।

दिन के दूसरे मुकाबले में शशांक इलेवन ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए जौनपुर की टीम को 87 रनों से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए शशांक इलेवन ने 16 ओवर में 5 विकेट पर 166 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में जौनपुर की टीम शशांक इलेवन के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 12.4 ओवर में मात्र 79 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पूर्व छात्रनेता अशोक सैनी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

आयोजकों ने बताया कि शनिवार को पहला मुकाबला मऊ नाथ भंजन बनाम बांदा, जबकि दूसरा मुकाबला गाजियाबाद बनाम लखनऊ के बीच खेला जाएगा।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सचिव अमर बहादुर सिंह, विजयशंकर राय, राजमणि पांडेय, मथुरा प्रसाद यादव, राजकुमार सरोज, जेपी सिंह, सन्तोष पांडेय शास्त्री, श्याम बहादुर यादव, परमेंद्र गौतम, मनोज गौतम, अतुल सिंह, नितेश श्रीवास्तव, सनी सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गोरखपुर की 'रिवॉल्वर गर्ल' ने बीच सड़क पर युवक को मारी गोली

कई लोगों के न्यूड वीडियो बनाकर खेला ब्लैकमेलिंग का खेल; 12 पुलिसवालों समेत 150 को बनाया शिकार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गोरखपुर में मंगलवार शाम एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। कैंट थाना क्षेत्र में एक युवती ने बीच सड़क पर रिवॉल्वर से गोली चला दी, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवती को उसके दो साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने युवती से पूछताछ की तो कई चौंकाने वाले खुलासे हुए है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि युवती अब तक करीब 150 लोगों को ठगी का शिकार बना चुकी है, जिनमें 12 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। ठगी के शिकार लोगों में गीडा थाने का एक दरोगा भी बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, युवती सोशल मीडिया जैसे इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और मैसेंजर के जरिए लोगों से संपर्क करती थी। पहले दोस्ती करती, फिर वीडियो कॉल के जरिए उनके न्यूड वीडियो बना लेती और बाद में उन्हें ब्लैकमेल कर पैसे वसूलती थी। उसके मोबाइल से कई लोगों के आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं।

मंगलवार शाम आरोपी युवती अपने पांच दोस्तों के साथ कैंट इलाके की एक मॉडल शॉप में जन्मदिन मनाने पहुंची थी। इसी दौरान उसने एक निजी अस्पताल के मैनेजर को फोन कर 20 हजार रुपये की मांग की और पैसे न देने पर झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी दी। मैनेजर अपने साथी अमिताभ के साथ मॉडल शॉप पहुंचा, जहां युवती से कहासुनी हो गई। इसी दौरान छीना-झपटी में गोली चल गई, जो अमिताभ के पेट में लग गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को गिरफ्तार कर लिया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवती के कुछ साथी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवती का नाम अंशिका सिंह है। वह हरपुर बुदहट की रहने वाली है और फिलहाल सिंघाड़िया में किराए के मकान में रहती थी। उसके खिलाफ संत कबीर नगर में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। दिल्ली से थार गाड़ी चोरी करने के मामले में भी वह वांछित थी। पुलिस ने युवती के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, आर्म्स एक्ट, हत्या की कोशिश (307) और वसूली सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। उसके फरार साथियों की तलाश की जा रही है।

चित्रकूट में व्यापारी के बेटे का अपहरण फिर की हत्या

40 लाख फिरौती न मिलने पर ली जान आरोपी इरफान पुलिस एनकाउंटर में ढेर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के चित्रकूट जिले के बरगढ़ थाना क्षेत्र में अपहरणकर्ताओं ने फिरौती की रकम नहीं मिलने पर एक व्यापारी के बेटे की हत्या कर दी। वहीं, अपहरण में शामिल एक बदमाश शुक्रवार सुबह पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से मारा गया जबकि दूसरे घायल बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

चित्रकूट जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बरगढ़ कस्बे में बृहस्पतिवार की शाम करीब छह बजे कपड़ा व्यापारी अशोक केसरवानी के 13 साल के बेटे आयुष का अज्ञात बदमाशों ने अपहरण कर लिया। बदमाशों ने करीब आठ बजे रात में व्हाट्सऐप कॉल से फिरौती की रकम मांगी, जिसके बाद रात करीब नौ बजे पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर भारी पुलिस बल के साथ पूरी रात खोजबीन की गई और शुक्रवार सुबह करीब साढ़े सात बजे बरगढ़ के परानु बाबा के जंगल में बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हुई जिसमें पुलिस की गोली लगने से इरफान और कल्लू नामक दो बदमाश घायल हो गए।

एसपी ने बताया कि घायल दोनों बदमाशों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने कल्लू को मृत घोषित कर दिया और इरफान को इलाज के लिए प्रयागराज भेजा गया है। एसपी ने बताया कि इरफान की निशानदेही पर उसके ही कमरे से बक्से में बंद आयुष का शव बरामद हुआ है। आयुष के गले में रस्सी बांधने के निशान और सीने में चोट के निशान पाए गए हैं।

एसपी सिंह ने बताया कि घटना से पहले इरफान कपड़ा व्यापारी अशोक केसरवानी के मकान में किराए पर रहता था। अशोक ने 10 दिसंबर को उससे कमरा खाली करवाया था। कल्लू और इरफान प्रयागराज के शंकरगढ़ के रहने वाले हैं और बरगढ़ में बक्सा बनाने का व्यवसाय करते थे। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कफ सिरप मामला : भोला जायसवाल की करोड़ों की संपत्ति सीज करने की कार्रवाई शुरू

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में कोडीन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप के मामले में सोनभद्र पुलिस ने शुक्रवार को वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र स्थित महमूरगंज में प्रमुख अभियुक्त भोला प्रसाद जायसवाल की करोड़ों की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान वाराणसी पुलिस भी मौके पर मौजूद रही।

सोनभद्र पुलिस द्वारा आज वाराणसी के भेलूपुर, सिगरा और चेतगंज क्षेत्रों में भोला प्रसाद जायसवाल की कुल 28 करोड़ 50 लाख रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की जा रही है। क्षेत्राधिकारी रणधीर मिश्रा के नेतृत्व में संपत्ति जब्त करने की यह कार्रवाई चल रही है। श्री मिश्रा ने बताया कि न्यायालय सोनभद्र के आदेश पर एनडीपीएस एक्ट के तहत बीएनएस की धारा 107 के अंतर्गत आज वाराणसी के भेलूपुर अंतर्गत तुलसीपुर महमूरगंज की संपत्ति जब्त की गई है। कुछ देर में चेतगंज और सिगरा थाना क्षेत्रों में स्थित अन्य संपत्तियों को भी जब्त किया जाएगा।

सोनभद्र पुलिस ने कोलकाता से सरगना शुभम जायसवाल के पिता भोला जायसवाल को गिरफ्तार किया था। दोनों ने मिलकर उत्तर प्रदेश के साथ बंगाल और बांग्लादेश तक प्रतिबंधित कफ सिरप का नेटवर्क फैला रखा था। शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला प्रसाद जायसवाल ने शैली ट्रेडर्स फर्म तथा अन्य फर्मों के जरिए करोड़ों रुपये का काला कारोबार प्रतिबंधित कफ सिरप के माध्यम से किया। इन्हीं अवैध पैसों से बाप-बेटे ने मिलकर करोड़ों की संपत्ति बनाई। शुभम जायसवाल अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की स्थापना कर आजादी के आंदोलन को दी नई दिशा : सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज की स्थापना कर आजादी के आंदोलन को नयी दिशा दी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "भारत माता के सच्चे सपूत, 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' महाघोष के प्रणेता 'नेताजी' ने आजाद हिंद फौज की स्थापना कर आजादी के आंदोलन को नयी दिशा दी। आपका शौर्य, पराक्रम एवं मां भारती की निःस्वार्थ आराधना वंदनीय है।"

सीएम योगी ने कहा, "ऐसे महान राष्ट्र आराधक 'नेताजी' सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं प्रदेश वासियों को 'पराक्रम दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं। जय हिंद!" स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को ओडिशा में हुआ था।

मंच पर ही फफक-फफक कर रोने लगे बृजेश पाठक

कहा- 'मैं खुद को उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि गरीबों का सेवक मानते हैं

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक गुरुवार को मेरठ दौरे पर थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में वे मंच से बोलते हुए भावुक हो गए और रो पड़े। इस दौरान उन्होंने अपने संघर्ष और गरीबी के दिनों को याद किया। उनका रोते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा हो रही है।

कवि सम्मेलन को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि वे खुद को उपमुख्यमंत्री नहीं, बल्कि गरीबों का सेवक मानते हैं। उन्होंने बताया कि आज जिस मुकाम पर वे पहुंचे हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी कठिनाइयों और गरीबी का सामना किया है। अपने पुराने दिनों को याद करते-याद करते वे इतने भावुक हो गए कि कुछ देर तक बोल नहीं पाए और उनकी आंखों से आंसू बहने लगे।

बृजेश पाठक ने कहा कि जब वे पहली बार पढ़ाई और राजनीति के सिलसिले में लखनऊ आए थे, तब कड़ाके की ठंड में उनके पास पहनने के लिए जूते तक नहीं थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने गरीबी को सिर्फ देखा नहीं, बल्कि उसे जिया है। इसलिए जब भी वे किसी गरीब को देखते हैं तो उनका मन दुखी हो जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि गरीब व्यक्ति की पीड़ा को वे अच्छी तरह समझते हैं, क्योंकि वे खुद उसी रास्ते से गुजरकर यहां तक पहुंचे हैं। मंच पर जब डिप्टी सीएम भावुक होकर रोने लगे, तो वहां मौजूद लोग भी कुछ पल के लिए सन्न रह गए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उनका सबसे बड़ा उद्देश्य है।

बाल ठाकरे से न मिल पाना शिवसेना छोड़ने से भी ज्यादा पीड़ादायक था : राज ठाकरे

मुम्बई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा है कि शिवसेना छोड़ने के बाद पार्टी संस्थापक बाल ठाकरे से पहले की तरह बार-बार मुलाकात न कर पाना उनके लिए पार्टी छोड़ने से भी ज्यादा तकलीफदेह था। राज ने अपने दिवंगत चाचा को एक ऐसे पर्वत के रूप में वर्णित किया जो उनके पीछे खड़ा रहा। बाल ठाकरे की जन्म शताब्दी के मौके पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के मुखपत्र 'सामना' में श्रद्धांजलि लेख में राज ने अपने ताऊ के साथ अपने गहरे रिश्ते को याद करते हुए कहा कि 2005 में पार्टी से अलग होने के परिणामों की तुलना में उनके लिए पारिवारिक घर 'मातोश्री' छोड़ने का निजी दुख कहीं अधिक बड़ा था। राज ने लिखा कि 1991 में जब वह अविभाजित शिवसेना की छात्र इकाई के प्रमुख थे और काला घोड़ा में इसने मोर्चा निकाला था, तब बाल ठाकरे ने सार्वजनिक लैंडलाइन फोन के जरिए उनका भाषण सुना था।

मनसे प्रमुख ने इस बात का भी जिक्र किया कि बचपन में एक बार वह जल गए थे तब उनके ताऊ ने दो महीने तक उनके घावों पर एंटीसेप्टिक लगाकर उन्हें साफ किया था और दो महीने तक उनकी देखभाल की थी। राज ने अपने लेख में लिखा, "जब मैंने (अविभाजित शिवसेना से) अलग होने का फैसला किया, तो एक बात मुझे खूब परेशान करती थी कि मैं पहले की तरह अपने लोगों से बार-बार नहीं मिल पाऊंगा। मैंने अपने पिता को खो दिया था और अब मैं अपने ताऊ से भी दूर जा रहा था। यह विचार मुझे अंदर ही अंदर खाए जा रहा था। पार्टी छोड़ने से ज्यादा, घर (मातोश्री) छोड़ना ज्यादा तकलीफदेह था।"

राज ने बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे पर आरोप लगाते हुए अविभाजित शिवसेना 2005 में छोड़ दी थी और एक साल बाद मनसे का गठन किया था। उन्होंने लिखा, "मेरे ताऊ बालासाहेब केशव ठाकरे का मेरे बचपन और युवावस्था पर गहरा असर था। वह मेरे पीछे पर्वत की तरह खड़े रहे।" उन्होंने बताया कि एक बार जब उनका वाहन एक ट्रक से टकराते-टकराते बचा था, तब बाल ठाकरे ने फोन करके उनका हालचाल पूछा था। अपने ताऊ से जुड़ी यादें साझा करते हुए राज ने कहा कि बाल ठाकरे पाकिस्तान के विरोधी थे लेकिन उन्होंने मेहदी हसन और गुलाम अली की गजलें सुनना कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि जब शहर में अविभाजित शिवसेना और कम्युनिस्ट कट्टर प्रतिद्वंद्वी थे तब अभिनेता-फिल्मकार राज कपूर ने शिवसेना प्रमुख से 1970 में बनी फिल्म 'मेरा नाम जोकर' के उन हिस्सों के बारे में सुझाव मांगा था जिन्हें संपादित करने की आवश्यकता थी।

कोई और बांध रहा था गमछा, शिवराज चौहान ने राहुल गांधी के मजदूर बनने पर कसा तंज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम को लेकर 'नाटक' करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस सांसद को इस कानून का नाम तक नहीं पता। चौहान ने ट्विटर पर राहुल गांधी के उस भाषण का एक वीडियो साझा किया, जो उन्होंने रचनात्मक कांग्रेस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एमजीएनआरईजीए श्रमिक सम्मेलन में दिया था। इस वीडियो में राहुल गांधी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्हें नए अधिनियम का नाम नहीं पता।

कांग्रेस नेता पर कटाक्ष करते हुए चौहान ने लिखा कि संसद के दोनों सदनों में विधेयक पर देर रात तक विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और पूरा देश इस बहस को ध्यान से देख रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इन चर्चाओं के दौरान विपक्ष के नेता अनुपस्थित थे और राहुल गांधी की इस विधेयक से अनभिज्ञता के बावजूद कांग्रेस अब इस पर 'नाटक' कर रही है। शिवराज चौहान की पोस्ट में लिखा था, 'राहुल जी कितने ज्ञानी हैं! वीबी - श्री राम जी पर दोनों सदनों में देर रात तक घंटों चर्चा हुई। सत्ता पक्ष और विपक्ष ने हर पहलू पर गंभीर बहस की। पूरा देश देख और सुन रहा था। लेकिन उस समय विपक्ष के नेता विदेश दौरे पर व्यस्त थे। अब कांग्रेस इस अधिनियम पर संघर्ष का नाटक कर रही है, जबकि विपक्ष के नेता को खुद विधेयक का नाम तक नहीं पता।

चौहान ने राहुल गांधी की हालिया सार्वजनिक उपस्थिति का मज़ाक उड़ाते हुए उन खबरों का हवाला दिया जिनमें कहा गया था कि उन्होंने शारीरिक श्रम किया था। व्यंग्यात्मक टिप्पणी में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को गमछा बांधने और फावड़ा चलाने का तरीका सिखाया जा रहा था। उन्होंने कांग्रेस नेता की 'तेज बुद्धि' पर भी कटाक्ष किया और दावा किया कि ऐसी बुद्धिमत्ता ही पार्टी के भविष्य के कल्याण को सुनिश्चित करेगी। मैंने सुना है कि कल राहुल जी एक दिन के लिए दिहाड़ी मजदूर भी बन गए; कोई और उन्हें गमछा बांध रहा था और खरगे जी उन्हें फावड़ा उठाना भी सिखा रहे थे। धन्य हो आप, राहुल जी, और धन्य हो आपकी 'तेज बुद्धि'! आपकी इसी अद्भुत बुद्धिमत्ता के बल पर कांग्रेस का सर्वोपरि कल्याण सुनिश्चित है।

आई-पीएसी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच तेज, ईडी निदेशक राहुल नवीन ने कोलकाता में संभाला मोर्चा

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन शुक्रवार सुबह एजेंसी के कोलकाता कार्यालय पहुंचे। वे इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) के परिसरों पर की गई तलाशी से संबंधित चल रही जांच के बीच एक नियमित समीक्षा बैठक करने आए थे। सूत्रों के अनुसार, ईडी निदेशक 8 जनवरी को आई-पीएसी कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर की गई तलाशी में शामिल अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। ये तलाशी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत धन शोधन की जांच के सिलसिले में की गई थी।

यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब ईडी द्वारा पश्चिम बंगाल अधिकारियों पर तलाशी अभियान के दौरान हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका के बाद महत्वपूर्ण कानूनी और राजनीतिक घटनाक्रम सामने आए हैं। पिछले सप्ताह, सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किया था। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और सहायक न्यायाधीश मसीह की पीठ ने टिप्पणी की कि अनसुलझे संवैधानिक प्रश्न विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा शासित राज्यों में 'अराजकता की स्थिति' पैदा कर सकते हैं।

न्यायालय ने कानून के शासन को बनाए रखने और जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति देने की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही चेतावनी दी कि अपराधियों को राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा आई-पीएसी परिसर में तलाशी के लिए दाखिल हुए ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी रोक लगा दी। सुनवाई के दौरान, ईडी की ओर से पेश हुए भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस घटना को पश्चिम बंगाल की 'चौंकाने वाली स्थिति' का प्रतिबिंब बताया।

सपा नेता ने बीजेपी विधायक पर लगाया एक करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप, कहा- 'सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है'

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गोंडा जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे ने कटरा बाजार से भाजपा के मौजूदा विधायक बावन सिंह पर एक करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। दुबे का आरोप है कि यह घोटाला 1997 से 2002 के बीच उनके विधायक कार्यकाल के दौरान हुआ था।

दुबे ने आरोप लगाया कि उक्त अवधि में विभिन्न कंपनियों के माध्यम से कटरा विधानसभा क्षेत्र में करीब एक करोड़ रुपये के कार्य कराए गए। ये कार्य अधूरे छोड़ दिए गए और करदाताओं के धन का दुरुपयोग किया गया। इस मामले में प्राथमिकी भी दर्ज हुई थी, लेकिन आगे कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व विधायक ने कहा कि बाद में इस प्रकरण से जुड़े एक ठेकेदार ने आत्महत्या कर ली जिसके बाद मामला दब गया। उन्होंने कहा कि न तो सरकार ने धन की वसूली कराई और न ही पूरे प्रकरण की जांच कराई गई।

बैजनाथ दुबे ने इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बावन सिंह और भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य की मौजूदा सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। कटरा विधायक बावन सिंह ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि इस मामले में उसी समय प्राथमिकी दर्ज कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। जिन लोगों को अभियुक्त बनाया गया था उनके खिलाफ मुकदमा अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है।

कर्नाटक में गिग वर्कर्स की बड़ी जीत, उच्च न्यायालय ने बाइक टैक्सी से बैन हटाया, लाइसेंस अनिवार्य

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राज्य में बाइक टैक्सी सेवाओं पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया और राज्य सरकार द्वारा बाइक टैक्सी सेवाओं के संचालन पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखने वाले एकल न्यायाधीश के पूर्व आदेश को रद्द कर दिया। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने ओला और उबर सहित ऐप-आधारित एग्रीगेटरों द्वारा दायर अपीलों को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया कि मौजूदा कानूनों के तहत अनुमति प्राप्त करने पर मोटरसाइकिलों का उपयोग परिवहन वाहनों के रूप में किया जा सकता है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि बाइक मालिकों या एग्रीगेटरों को आवश्यक लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा और राज्य सरकार प्रचलित कानूनी प्रावधानों के अनुसार परमिट जारी करने के लिए बाध्य है।

यह फैसला उन हजारों बाइक टैक्सी चालकों को राहत देता है जो जून में उच्च न्यायालय द्वारा सरकार के प्रतिबंध पर रोक लगाने से इनकार करने के बाद सेवाएं बंद होने से प्रभावित हुए थे। इस प्रतिबंध के कारण गिग वर्कर्स ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया था, जिन्होंने तर्क दिया था कि इस कदम ने उनकी आजीविका को बुरी तरह प्रभावित किया है। कर्नाटक भर में बाइक टैक्सी चालकों का प्रतिनिधित्व करने वाले नम्मा बाइक टैक्सी एसोसिएशन ने सरकार से प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने का बार-बार आग्रह किया था। जून में, एसोसिएशन ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर राज्य में लाखों गिग वर्करों की आजीविका की रक्षा के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की थी।

एसोसिएशन ने अपने पत्र में कहा, 'बेंगलुरु और पूरे कर्नाटक में 1, 00, 000 से अधिक गिग वर्कर बाइक टैक्सी सेवाओं पर पूर्ण प्रतिबंध के कारण अपनी कमाई और परिवार का भरण-पोषण करने का अधिकार खो रहे हैं।' एसोसिएशन ने इस प्रतिबंध को दैनिक आय के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर चालकों की गरिमा और अस्तित्व के लिए खतरा बताया।

भारतीय का नया 'हिटमैन'! तूफानी पारी के बाद अभिषेक शर्मा बोले- अभी सुधार की गुंजाइश है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि वह अपने आक्रामक अंदाज से पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नक्शेकदम पर चल रहे हैं और उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वह अभी पूरी तरह परिपक्व हुए हैं। अभिषेक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला की शुरुआत की, जो आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले भारत की आखिरी द्विपक्षीय श्रृंखला थी। उन्होंने 35 गेंदों में 84 रन की सनसनीखेज पारी खेली, जिसमें पांच चौके और आठ छक्के शामिल थे। इस पारी की बदौलत भारत ने 238/7 का विजयी स्कोर बनाया। पिछले साल से ही अभिषेक शानदार फॉर्म में हैं और 22 मैचों और पारियों में 44.90 के औसत और 196.86 के स्ट्राइक रेट से 943 रन बना चुके हैं। इनमें एक शतक, छह अर्धशतक और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है।

'क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए अभिषेक ने अपनी बल्लेबाजी के बारे में कहा कि उन्हें अभी भी लगता है कि सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है। उन्होंने आगे कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं अभी पूरी तरह परिपक्व हो गया हूं, क्योंकि सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है। लेकिन मुझे लगता है कि मेरा काम पहले छह ओवरों में आक्रामक क्रिकेट खेलना है। मैं इसके लिए काफी अभ्यास कर रहा हूं। मुझे पता है कि अगर मैं अच्छी शुरुआत दूं या शुरुआत में ही अच्छा इरादा दिखाऊं, तो टीम उस लय को बनाए रख सकती है। मैं हमेशा इसी बारे में सोचता हूं। उन्होंने भारत के टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा के प्रभाव के बारे में भी बात की और कहा कि जब वह टीम में आए थे, तो कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर चाहते थे कि वह 'हिटमैन' की तरह ही विपक्षी टीम पर दबाव बनाएं। उन्होंने कहा कि रोहित भाई ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। पावरप्ले में उनकी शानदार शुरुआत की वजह से हमेशा दबाव बना रहता था। जब मैं टीम में आया, तो कोच और कप्तान मुझसे भी यही उम्मीद कर रहे थे। मुझे लगा कि यह मेरे खेलने के तरीके के अनुकूल भी है क्योंकि मुझे शुरुआती कुछ गेंदों से ही आक्रामक खेलना पसंद है। इसलिए, मुझे लगता है कि मैं रोहित भाई के नक्शेकदम पर चल रहा हूं, और मैं इस तरह से खेलकर भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करने से बहुत खुश हूं।

अभिषेक ने कहा कि अगर उन्हें आक्रामक होकर खेलना है और अपना इरादा दिखाना है, तो वे अपने मैचों से पहले एक खास तरीके से अभ्यास करते हैं। उन्होंने कहा, 'जब मुझे एक हफ्ता या दस दिन मिलते हैं, तो मैं अगली सीरीज या मैचों में जिन गेंदबाजों का सामना करना है, उन्हें ध्यान में रखता हूं। सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि मैं उन योजनाओं को कैसे अमल में लाता हूं। आगामी टी20 विश्व कप के लिए भी मैं अभ्यास कर रहा हूं। मुझे पता है कि हम पूरे भारत में अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग टीमों के खिलाफ खेलेंगे, इसलिए तैयारी बेहद जरूरी है।'

टी20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान का बड़ा दांव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाबर- शाहीन की वापसी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह सीरीज 29 जनवरी से शुरू होगी। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, इस सीरीज में बाबर आजम और शाहीन अफरीदी की अनुभवी जोड़ी टी20 सीरीज में वापसी कर रही है। बाबर और शाहीन बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 सीजन में खेलने के कारण जनवरी की शुरुआत में श्रीलंका में हुई पाकिस्तान की टी20 सीरीज में नहीं खेल पाए थे।

शादाब खान के आने से पाकिस्तान की स्पिन गेंदबाजी को मजबूती मिलेगी, जिसमें अबरार अहमद, मोहम्मद नवाज और उस्मान तारिक भी शामिल हैं। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। सीरीज का पहला मैच 29 जनवरी को, दूसरा मैच 31 जनवरी को और तीसरा मैच 1 फरवरी को खेला जाएगा। तीनों मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। तीन मैचों की यह श्रृंखला ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान दोनों के लिए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से पहले एक महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में काम करेगी, जो 7 फरवरी को भारत और श्रीलंका में शुरू होगा।

विश्व कप में पाकिस्तान ग्रुप 'ए' में अमेरिका, नामीबिया, नीदरलैंड और सह-मेजबान भारत के साथ है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ग्रुप 'बी' में श्रीलंका, आयरलैंड, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है। पाकिस्तान ने इसी महीने की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली थी। यह श्रृंखला ड्रॉ रही, जिसमें पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों ने एक-एक मैच जीता और एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला से पहले, पाकिस्तान ने अपने घरेलू मैदान पर टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की त्रिकोणीय श्रृंखला खेली थी, जिसमें श्रीलंका, जिम्बाब्वे और पाकिस्तान ने भाग लिया था। पाकिस्तान ने यह त्रिकोणीय श्रृंखला जीती थी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए पाकिस्तान की टीमः सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा मोहम्मद नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, साइम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान और उस्मान तारिक।

जनवरी में तेज हुई आर्थिक रफ्तार, एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट पीएमआई 59.5 पर पहुंचा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के निजी क्षेत्र की गतिविधियों में जनवरी के महीने में मजबूती देखने को मिली है। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स जनवरी में बढ़कर 59.5 पर पहुंच गया, जो दिसंबर में 57.8 था। नए कारोबार में तेज वृद्धि के चलते मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस-दोनों सेक्टरों की गतिविधियों में इजाफा हुआ है। यह जानकारी एस एंड पी ग्लोबल की ओर से संकलित और शुक्रवार को जारी पीएमआई रिपोर्ट में दी गई।

मौसम के अनुसार समायोजित इस इंडेक्स के मुताबिक उत्पादन में वृद्धि की रफ्तार हालांकि थोड़ी धीमी रही लेकिन जनवरी में निर्माण और सेवा-दोनों क्षेत्रों में लगभग समान गति से विस्तार दर्ज किया गया। यह इंडेक्स हर महीने इन दोनों सेक्टरों के कुल उत्पादन में बदलाव को दर्शाता है।

नए कारोबार में बढ़ोतरी ने निजी क्षेत्र की कुल गतिविधियों को मजबूती दी। कंपनियों ने बेहतर ग्राहक मांग और मजबूत मार्केटिंग रणनीतियों का फायदा मिलने की बात कही। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माण कंपनियों ने सर्विस सेक्टर की तुलना में अपनी बिक्री में ज्यादा तेजी दर्ज की।

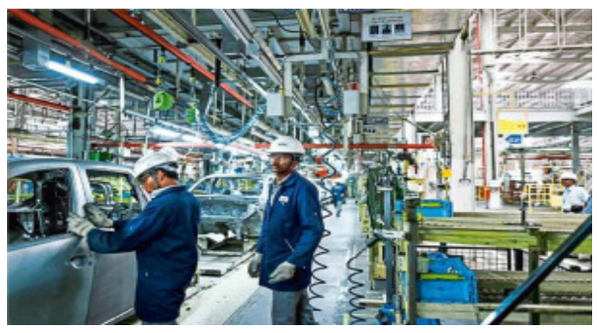

जनवरी में अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में भी साफ इजाफा देखने को मिला, जो पिछले चार महीनों में निर्यात की सबसे तेज वृद्धि रही। भारतीय कंपनियों को एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका और मध्य पूर्व से ज्यादा ऑर्डर मिले, जिससे कुल कारोबारी गतिविधियों को और मजबूती मिली।

निजी क्षेत्र में जनवरी के दौरान भर्ती में भी इजाफा हुआ, जबकि दिसंबर में यह स्थिर रही थी। नौकरियों में बढ़ोतरी भले ही सीमित रही, लेकिन यह लंबे समय के औसत ट्रेंड के अनुरूप है। कंपनियों ने कमर्शियल जरूरतों के हिसाब से खासतौर पर जूनियर और मिड-लेवल कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाई।

पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन हारे, इंडोनेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सीधे गेम में हारकर बाहर हो गये जिससे पांच लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती शुक्रवार को समाप्त हो गई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार खिलाड़ी चेन यू फेई के खिलाफ 42 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही सिंधू का सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधू 6-8 से पीछे हो गई हैं। सिंधू की चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ पिछली जीत वर्ष 2019 में दर्ज हुई थी।

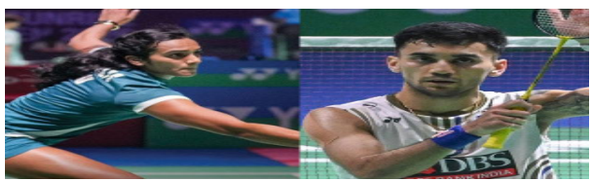

पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल से कड़े मुकाबले में 18-21, 20-22 से हार मिली। यह मैच 46 मिनट तक चला। लक्ष्य दोनों गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद भी जीत दर्ज करने में नाकाम रहे। लक्ष्य को हराने से पहले थाईलैंड का 21 साल कर यह खिलाड़ी प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता ली जी जिया को भी टूर्नामेंट से बाहर कर चुका है।

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने किया आईसीसी का समर्थन, बांग्लादेश को दी सख्त चेतावनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ता तनाव अब वैश्विक क्रिकेट बहस का विषय बन गया है। भारत में अपने मैच खेलने से इनकार कर चुके बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड आईसीसी के फैसले पर जहां अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, वहीं पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के रुख का खुलकर समर्थन किया है। कनेरिया का मानना है कि अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट से हटता है, तो इससे टूर्नामेंट की गुणवत्ता या आईसीसी पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।

दानिश कनेरिया ने साफ कहा कि आईसीसी का यह फैसला बिल्कुल सही है कि तय शेड्यूल में आखिरी समय पर बदलाव नहीं किया जा सकता। उनके मुताबिक, वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में यात्रा योजना, वेन्यू, सुरक्षा व्यवस्था और ब्रॉडकास्टिंग से जुड़ी तैयारियां पहले से तय होती हैं। ऐसे में किसी एक टीम की मांग पर पूरा ढांचा बदलना व्यावहारिक नहीं है।

बांग्लादेश ने भारत के साथ बिगड़े राजनीतिक संबंधों और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए आईसीसी से अनुरोध किया था कि उसके सभी मैच श्रीलंका में कराए जाएं। हालांकि, आईसीसी ने स्पष्ट कर दिया कि टूर्नामेंट पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार ही भारत में आयोजित होगा। इस फैसले को आईसीसी बोर्ड की बैठक में अधिकांश सदस्य देशों का समर्थन मिला, जहां सिर्फ पाकिस्तान ने बांग्लादेश के पक्ष में वोट दिया।

कनेरिया ने मौजूदा हालात में क्रिकेट पर राजनीति के हावी होने पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज खेल की तकनीक, गेंदबाजी या बल्लेबाजी से ज्यादा चर्चा राजनीतिक तुलना और विवादों पर हो रही है। उन्होंने सभी हितधारकों से अपील की कि क्रिकेट को क्रिकेट की तरह ही देखा जाए और राजनीति को खेल से दूर रखा जाए।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 769 अंक फिसला, निफ्टी 25, 048 के स्तर पर हुआ बंद

मुंबई। एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार (23 जनवरी) को बढ़त के साथ खुले लेकिन शुरुआती तेजी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। कारोबार के दौरान बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला और बाद में बिकवाली हावी हो गई। वैश्विक तनाव के बीच निवेशकों की सतर्कता, बैंकिंग और फाइनेंशियल शेयरों में कमजोरी तथा अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट ने बाजार सेंटीमेंट को कमजोर किया।

बीएसई सेंसेक्स 769.67 अंक या 0.94 फीसदी की गिरावट के साथ 81, 537.70 के स्तर पर आ गया। इसी तरह, निफ्टी 241.25 अंक या 0.95 फीसदी टूटकर 25, 048.65 के स्तर पर बंद हुआ।

बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में तेज बिकवाली देखने को मिली, जिससे बाजार पर दबाव बढ़ा। वहीं, अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट ने भी निवेशकों के सेंटीमेंट पर नकारात्मक असर डाला।

ग्लोब कैपिटल मार्केट्स में टेक्निकल और डेरिवेटिव रिसर्च के सहायक उपाध्यक्ष विपिन कुमार ने कहा कि दो दिन की राहत रैली के बाद अडानी ग्रुप और बैंकिंग-फाइनेंशियल शेयरों में भारी गिरावट के चलते निफ्टी पर फिर से बिकवाली का दबाव बन गया है। उन्होंने बताया कि चार्ट स्ट्रक्चर अभी भी नकारात्मक है और निफ्टी लोअर हाई-लोअर लो पैटर्न में कारोबार कर रहा है। फिलहाल 24, 900-24, 800 के स्तर पर सपोर्ट, जबकि 25, 500 के आसपास रेजिस्टेंस बना हुआ है।

स्टार्टअप कंपनियों की बजट में कर छूट समयसीमा बढ़ाने, पूंजीगत लाभ कर में राहत की मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने आगामी बजट में कर छूट समयसीमा बढ़ाने और पूंजीगत लाभ कर में राहत की मांग की है। उनका कहना है कि इससे निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और कर बचत से मिली राशि का उपयोग कारोबार विस्तार एवं प्रौद्योगिकी निवेश में किया जा सकेगा। उद्योग जगत का कहना है कि वित्त वर्ष 2025-26 से सभी निवेशकों के लिए 'एंजेल टैक्स' को पूरी तरह खत्म किए जाने की घोषणा से निवेश माहौल में सुधार हुआ है। हालांकि अब स्टार्टअप और निवेशकों को खासकर विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए पूंजीगत लाभ कर में भी राहत की जरूरत है।

एंजेल टैक्स वह कर है, जो स्टार्टअप को उसके शेयर के उचित बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर निवेश मिलने की स्थिति में उस अतिरिक्त राशि पर लगाया जाता है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप 'एआसोक' के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रवीण सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत किए गए सुधारों ने मजबूत आधार तैयार किया है और आगामी बजट इन सुधारों को जमीनी स्तर पर लागू करने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि एंजेल टैक्स हटने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और अब विदेशी निवेशकों के लिए दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) को तर्कसंगत बनाने की जरूरत है, जिस पर वर्तमान में करीब 12.5 प्रतिशत कर लगता है।

सिंह ने कहा कि इससे शिक्षा जैसे उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों में वैश्विक निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

स्टार्टअप में निवेश से होने वाले लाभ पर पूंजीगत लाभ कर लगता है, जो अल्पकालिक और दीर्घकालिक होता है। यदि शेयर 24 महीने से कम समय में बेचे जाते हैं, तो अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर (एसटीसीजी) लगता है, जबकि 24 महीने से अधिक समय पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर लागू होता है। इसके अलावा, उद्योग जगत आयकर कानून की धारा 80-आईएसी के तहत डीपीआईआईटी से मान्यता-प्राप्त स्टार्टअप को होने वाले लाभ पर 100 प्रतिशत आयकर छूट की समय-सीमा को बढ़ाने की भी मांग कर रहा है। यह छूट कंपनी के शुरुआती 10 वर्षों में किसी भी लगातार तीन वर्षों के लिए उपलब्ध होती है लेकिन वर्तमान में इसकी पात्रता एक अप्रैल 2030 तक सीमित है। स्टार्टअप चाहते हैं कि इसे 2032 या 2035 तक बढ़ाया जाए।

निर्माण क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप 'पावरप्ले' के सह-संस्थापक एवं सीईओ ईश दीक्षित ने कहा कि एंजेल टैक्स का हटना शुरुआती चरण के स्टार्टअप के लिए अहम कदम है, लेकिन विदेशी निवेश से जुड़े पूंजीगत लाभ कर को लेकर अभी भी स्पष्टता और राहत जरूरी है। सेवा क्षेत्र के स्टार्टअप 'यूक्लीन' के संस्थापक एवं सीईओ अरुणाभ सिन्हा ने कहा कि सेवा आधारित और परिसंपत्ति-प्रधान स्टार्टअप फर्मों के लिए किफायती ऋण तक बेहतर पहुंच जरूरी है।

एसईसी कार्रवाई की खबर से अडानी ग्रुप के शेयर क्रैश, 14 फीसदी तक लुढ़के स्टॉक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। औद्योगिक समूह अडानी ग्रुप के शेयरों में शुक्रवार को भारी बिकवाली देखने को मिली। अमेरिका के सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) से जुड़ी कानूनी कार्रवाई की खबर के बाद ग्रुप की प्रमुख कंपनियों के शेयर 14 फीसदी तक टूट गए। गिरावट के चलते अडानी ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप एक ही दिन में करीब 1.1 लाख करोड़ रुपए घटकर 12.45 लाख करोड़ रुपए रह गया।

सबसे ज्यादा दबाव अडानी ग्रीन एनर्जी पर देखने को मिला, जिसके शेयर 14.14इ गिरकर 776.40 रुपए पर आ गए। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 9इ से ज्यादा टूटकर 1, 886.80 रुपए पर पहुंच गए, जो इसका 52 हफ्ते का निचला स्तर है। वहीं, अडानी एनर्जी के शेयर 11इ गिरकर 822.15 रुपए, जबकि अडानी पोर्ट्स के शेयर करीब 8इ फिसलकर 1, 295.40 रुपए पर आ गए। इसके अलावा अंबुजा सीमेंट, एसीसी और अडानी टोटल गैस समेत ग्रुप की अन्य कंपनियों के शेयरों में भी कमजोरी देखने को मिली।

अमेरिकी रेगुलेटर एसईसी ने एक अमेरिकी अदालत से अनुमति मांगी है कि वह अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी को सीधे ईमेल के जरिए समन भेज सके। एसईसी ने कोर्ट को बताया कि भारत ने पहले दो मौकों पर आधिकारिक चैनलों के जरिए समन भेजने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। एसईसी का कहना है कि मौजूदा तरीकों से समन भेजने में सफलता की संभावना कम है, इसलिए ईमेल के जरिए नोटिस भेजने की मंजूरी मांगी गई है।

अनुष्का ने विराट कोहली को खिलाए दिल्ली वाले छोले-भटूरे

दुबई की चमकती लोकेशन्स, प्यार भरी नोंक-झोंक और सरप्राइज से भरा एक खास पलष्ठ अनुष्का शर्मा और विराट कोहली एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह है दोनों का एक नया रोमांटिक अंदाज, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। कभी हल्की-फुल्की प्रतिस्पर्धा तो कभी मुस्कानें बिखेरते निजी पल, इस पूरे अनुभव में कपल की केमिस्ट्री साफ झलकती है। खास बात यह रही कि अनुष्का ने विराट के लिए कुछ ऐसा प्लान किया, जिससे उनके चेहरे पर बचपन वाली खुशी लौट आई।

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा की केमिस्ट्री हमेशा फैंस को दीवाना बनाती है। अब दोनों ने दुबई टूरिज्म को प्रमोट करने वाले एक नए रोमांटिक ऐड में दिल जीत लिया है। गुरुवार को विराट और अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर यह ऐड शेयर किया, जिसमें वे एक-दूसरे को सरप्राइज देने की स्वीट कॉम्पिटिशन में नजर आए। एड की शुरुआत दुबई के खूबसूरत नजारों से होती है, जहां विराट अनुष्का को चुनौती देते हैं कि वह उन्हें सरप्राइज दें। इसके जवाब में अनुष्का दुबई के रेगिस्तान के बीचों-बीच एक प्राइवेट लंच डेट प्लान करती हैं। इसके बाद दोनों वाइल्डलाइफ साइटसीइंग और बीच पर मस्ती करते नजर आते हैं। बीच पर खेले गए वॉलीबॉल मैच में अनुष्का विराट को हरा देती हैं और हंसते हुए कहती हैं, 'मैं बेहतर एथलीट हूं।' इस पर विराट मजाकिया अंदाज में जवाब देते हैं, 'और मैं बेहतर डांसर हूं'।

क्या युजवेंद्र चहल और आरजे महविश की दोस्ती में आई दरार? इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को किया 'अनफॉलो'

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल अपनी स्पिन गेंदबाजी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर अपनी सक्रियता के लिए भी जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में आई एक खबर ने उनके प्रशंसकों को चौंका दिया है। खबर है कि युजवेंद्र चहल और मशहूर कंटेंट क्रिएटर आरजे महविश ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को 'अनफॉलो' कर दिया है। इस खबर का खुलासा बुधवार को मशहूर पैपराजी हैंडल वरिंदर चावला ने किया। रिपोर्ट के अनुसार, चहल और महविश पहले एक-दूसरे को फॉलो करते थे और अक्सर एक-दूसरे के पोस्ट पर चर्चा में रहते थे। हालांकि, अब दोनों की फॉलोइंग लिस्ट से एक-दूसरे का नाम नदारद है, जिसका मतलब है कि उन्होंने ऑनलाइन दुनिया में अपना कनेक्शन तोड़ लिया है।

हालांकि चहल और महवश के एक-दूसरे को अनफॉलो करने के पीछे की वजह अभी पता नहीं चली है, लेकिन नेटिज़न्स संभावित नतीजों को लेकर अटकलें लगा रहे हैं।

जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि चहल और महवश का रिश्ता हमेशा से अटकलों का विषय रहा है, खासकर 2025 में क्रिकेटर के धनश्री वर्मा से तलाक के बाद। चहल और महवश के बीच संभावित रोमांस की अफवाहें फैल रही थीं, जिसमें कई लोगों को शक था कि वे सिर्फ दोस्त से कहीं ज़्यादा हैं। दोनों को अक्सर एक साथ देखा जाता था, जिससे यह चर्चा और तेज़ हो गई। हालांकि, युजवेंद्र और महवश ने हमेशा यही कहा कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। पिछले साल अपने 'राइज एंड फॉल' के दौरान, धनश्री ने चहल से अपने ब्रेकअप के बारे में बात करते हुए कहा था, 'भले ही मैंने उसे बदलते हुए देखा, मैंने उस पर और रिश्ते पर भरोसा किया। मेरी समस्या यह है कि मैं अपने आस-पास के लोगों को बहुत ज़्यादा मौके देती हूं। लेकिन आखिरकार, मैं इससे थक गई। मैंने अपनी तरफ से सब कुछ करने की कोशिश की और अपना सौ प्रतिशत दिया। मैं हमेशा उसके लिए चिंतित रहूंगी; इसकी मैं गारंटी दे सकती हूं।'